https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
रविवार, 3 अगस्त 2025
वर्ष 17 अंक 326
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 29° से.
न्यूनतम : 26° से.

jantaunion@gmail.com

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती की...- 3 | विशाल कांवड़ यात्रा निकली, योगी सरकार ने कराई...- 8

सार संक्षेप

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कथावाचक संत सिंह यादव और मुकट सिंह यादव को जमानत दी

प्रयागराज (जीएनएस)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कथावाचक संत सिंह यादव और मुकट सिंह यादव की अग्रिम जमानत याचिका को स्वीकार कर लिया। न्यायमूर्ति विवेक वर्मा ने 29 जुलाई को दोनों याचिकाकर्ताओं की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उन्हें ये राहत दी।
दोनों कथावाचकों के खिलाफ इटावा के बाकेवर थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 (धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने के इरादे से किया गया कृत्य) और 318 (4) (धोखाधड़ी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। संत सिंह यादव और मुकट सिंह यादव पर आरोप है कि उन्होंने धार्मिक आयोजन के दौरान लोगों को भ्रम में रखा और फर्जी दस्तावेज के जरिए अपनी जाति छिपाई।
याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किलों ने कुछ लोगों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें याचिकाकर्ताओं पर हमला करने और उन्हें बंधक बनाए रखने के आरोप लगाये गये थे।
अदालत ने संबंधित पक्षों को सुनने के बाद आदेश में कहा, आरोपों की प्रकृति और याचिकाकर्ताओं के पिछले जीवन को देखते हुए खासकर इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि पूर्व में याचिकाकर्ता ने कुछ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी, इस चरण में याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कथित अपराध का मामला नहीं बनता।

8 अगस्त को बिहार दौरे पर रहेंगे अमित शाह, नीतीश कुमार के साथ करेंगे सीता मंदिर का शिलान्यास

सीतामढ़ी (जीएनएस)। बिहार के सीतामढ़ी में 8 अगस्त को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में माता सीता के भव्य मंदिर के शिलान्यास और भूमि पूजन समारोह की तैयारियाँ चल रही हैं। बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सीतामढ़ी आगमन तय है। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन चुका है, जिसके बाद बिहार के लोगों की आस्था थी कि बिहार के सीतामढ़ी में, जहाँ माता सीता का जन्म हुआ था, माता सीता का एक भव्य मंदिर बनना चाहिए। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कार्य होने जा रहा है। 8 अगस्त को इस मंदिर का शिलान्यास अमित शाह और नीतीश कुमार द्वारा किया जाएगा।

तेजस्वी यादव का दावा, नई वोटर लिस्ट में मेरा नाम नहीं, बीजेपी ने बताया झूठ

पटना (जीएनएस)। राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि बिहार में चुनाव आयोग द्वारा किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बिहार में बहुप्रतीक्षित ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की, जिसमें 7.24 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल किए गए, लेकिन 65 लाख से ज़्यादा नामों को हटा दिया गया। आयोग का दावा है कि ज़्यादातर संबंधित व्यक्ति मर चुके हैं या पलायन कर चुके हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के स्वदेशी हथियारों की ताकत पूरी दुनिया ने देखी : मोदी

वाराणसी (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी पहुंचकर लगभग 2,200 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने भारत के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को महादेव के चरणों में समर्पित किया और इसे वादा पूरा हुआ बताया।मोदी ने कहा कि आज मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार काशी आया हूं। जब 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था। 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उनकी परिवार की पीड़ा, उन बच्चों का दुख, उन बेटियों की वेदना से मेरा हृदय बहुत तकलीफ से भर गया था।
नरेंद्र मोदी ने कहा कि तब मैं बाबा विश्वनाथ से यही मना रहा था कि सभी पीड़ित परिवार को इस दुख को सहने की हिम्मत दें। काशी के मेरे मालिकों, मैंने अपनी बेटियों के सिंदूर का बदला लेने का जो वचन दिया था, वो भी पूरा हुआ है। ये महादेव के आशीर्वाद से ही संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि शिव का एक रूप कल्याण है, तो दूसरा रूप रुद्र रूप भी है। सामने जब आतंक और अन्याय होता है, तब हमारे महादेव... रुद्र रूप धारण करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत का यही रूप देखा है।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने हमारे स्वदेशी हथियारों की क्षमता देखी। हमारी वायु रक्षा प्रणालियों, मिसाइलों और ड्रोनों ने आत्मनिर्भर भारत की ताकत साबित की है, खासकर ब्रह्मोस मिसाइलों ने। ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण अब लखनऊ में किया जाएगा। कई प्रमुख रक्षा कंपनियां यूपी डिफेंस कॉरिडोर में अपने विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही हैं। भारत में निर्मित हथियार जल्द ही हमारी सेनाओं की ताकत बनेंगे।
विपक्ष पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हमारे देश के कुछ लोगों को भी पेट में दर्द हो रहा है। ये कांग्रेस पार्टी और उनके चेले-चपाटे, उनके दोस्त... इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दुखी है... ये तो सब कोई समझ सकता है। लेकिन पाकिस्तान का ये दुख कांग्रेस और सपा से सहन नहीं हो पा रहा है। उधर, आतंक का आका रोता है और इधर, कांग्रेस, सपा वाले आतंकियों की हालत को देखकर रोते हैं। कांग्रेस हमारी सेनाओं के पराक्रम का लगातार अपमान कर रही है। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है।
प्रधानमंत्री ने कहा कि वोटबैंक और तुष्टिकरण की इस राजनीति में ये समाजवादी पार्टी भी पीछे नहीं है। सपा के नेता संसद में कह रहे थे कि पाकिस्तान के आतंकवादियों को अभी क्यों मारा, आतंकियों को मारने के लिए क्या मैं सपा वालों को फोन करके पुछूं क्या? अब उन्हें आतंकियों के मारे जाने से भी परेशानी हो रही है। कान खोलकर सुन लो... ये नया भारत है। इसके साथ ही मोदी ने कहा कि वैश्विक अस्थिरता का माहौल है। सभी देश अपने-अपने हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

रूस के साथ परमाणु युद्ध के लिए तैयार, पनडुब्बियों की तैनाती के बाद ट्रंप ने जारी की नई चेतावनी

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटकीय अंदाज़ में बयानबाज़ी करते हुए घोषणा की है कि अमेरिका रूस के साथ परमाणु युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार है। उनकी यह टिप्पणी वाशिंगटन और मॉस्को के बीच बढ़ते तनावपूर्ण संबंधों के बीच आई है। हालाँकि, ट्रंप ने यह भी कहा कि मुझे नहीं लगता कि ऐसी स्थिति में किसी की जीत होती है। ट्रंप ने यह टिप्पणी रूसी जलक्षेत्र के पास अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती का आदेश देने के तुरंत बाद की। इस कदम से अमेरिका-रूस संबंधों में और तनाव आने की आशंका है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में ट्रंप ने बताया कि
जवाब में मेदवेदेव ने पलटवार करते हुए कहा कि रूस हर मामले में सही है और अपने रास्ते पर चलता रहेगा। मेदवेदेव द्वारा ट्रंप पर रूस के साथ अल्टीमेटम गेम खेलने का आरोप लगाने के बाद वाकयुद्ध और तेज़ हो गया। एक पोस्ट में उन्होंने चेतावनी दी। ट्रंप को दो बातें याद रखनी चाहिए: पहली, रूस इज़राइल या ईरान नहीं है और दूसरी, हर नया अल्टीमेटम एक ख़तरा है और युद्ध की ओर एक कदम है।

1993 फर्जी एंकाउन्टर केस

32 साल बाद मिला न्याय, 7 लोगों के फर्जी एनकाउंटर केस में 5 पुलिसवाले दोषी

मोहाली (जीएनएस)। मोहाली की एक सीबीआई अदालत ने 1993 में तरनतारन जिले में हुई दो फर्जी मुठभेड़ों में शामिल होने के आरोप में एक पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) और एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) सहित पंजाब पुलिस के पांच सेवानिवृत्त अधिकारियों को दोषी ठहराया है। जिन लोगों को दोषी ठहराया गया है उनमें पूर्व पुलिस उपाधीक्षक भूपिंदरजीत सिंह (जो बाद में एसएसपी के पद से सेवानिवृत्त हुए), पूर्व सहायक उप-निरीक्षक दविंदर सिंह (जो डीएसपी के पद से सेवानिवृत्त हुए), पूर्व सहायक उप-निरीक्षक गुलबर्ग सिंह, पूर्व निरीक्षक सूबा सिंह और पूर्व एएसआई रघबीर सिंह शामिल हैं।
रानी वल्लाह गांव के सात लोगों, जिनमें चार विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) भी शामिल थे, को पुलिस ने अवैध रूप से उठा लिया, उन पर अत्याचार किया और उनकी हत्या कर दी। इन अधिकारियों को आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत आपराधिक षड्यंत्र, हत्या, सबूत नष्ट करने और रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का दोषी पाया गया। फैसले के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया और जल्द ही सजा सुनाई जाएगी।

मालेगांव ब्लास्ट में मोदी का नाम ले लो तो तुम्हें नहीं पीटेंगे, छोड़ देंगे...प्रज्ञा ठाकुर का हैरान करने वाला खुलासा

मुंबई (जीएनएस)। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में विशेष एनआईए अदालत द्वारा प्रज्ञा ठाकुर को बरी किए जाने के कुछ दिनों बाद, पूर्व भाजपा सांसद ने एक चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और अन्य के नाम लेने के लिए मजबूर किया गया और प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा कि मैंने सब कुछ लिखित में दे दिया है और उन सभी के नाम भी बताए हैं जिनका नाम लेने के लिए मुझे मजबूर किया गया था।

यह नया भारत है, दुश्मन के घर में घुसकर खात्मा करने का माद्दा रखता है..., जब पीएम मोदी के सामने बोले सीएम योगी

वाराणसी (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे के दौरान उनका अभिनंदन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने लगभग 2,200 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे समय में काशी पहुंचे हैं जब दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की ताकत और संकल्प को देखा है। यह नया भारत है, जिसके पास पहलगाम हमले के दोषियों को सजा दिलाने की क्षमता और साहस दोनों है
पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में हुए सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, इस नए भारत में आतंक के दोषियों को धूल चटाने और दुश्मनों की सीमा में घुसकर उनका सफाया करने का साहस है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आज प्रधानमंत्री मोदी का काशी आगमन हुआ है। उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से, मैं प्रधानमंत्री का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है। उन्होंने कहा कि नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है।
मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। पिछले 11 वर्ष में चार दर्जन से अधिक देशों ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है।

सीएम रेखा गुप्ता ने कर दिया बड़ा ऐलान, दिल्ली में हर झुग्गी वालों को मिलेगा पक्का मकान

नई दिल्ली (जीएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सुल्तानपुरी में लंबे समय से खाली पड़े दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के लगभग 50,000 फ्लैटों का निरीक्षण किया और कहा कि भाजपा गरीबों को आवास, सुरक्षा और बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, उन्होंने एक दशक से भी ज़्यादा समय से झुग्गीवासियों को फ्लैट आवंटित न करने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। अपने दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि 2011 में निर्मित लगभग 50,000 फ्लैट एक दशक से भी ज़्यादा समय से अप्रयुक्त पड़े हैं, उनकी हालत बदतर होती जा रही है और अब उन्हें व्यापक मरम्मत की आवश्यकता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इस दृष्टिकोण के अनुरूप कि हर गरीब को अपना घर मिले, हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

संविधान के इस लक्ष्य को साकार करना हमारे लिए महत्वपूर्ण, पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने की यूसीसी की वकालत

नई दिल्ली (जीएनएस)। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की वकालत की और कहा कि संविधान यूसीसी की वांछनीयता को व्यक्त करता है। भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे 65 वर्षीय चंद्रचूड़ ने मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए यह टिप्पणी की। हालांकि, चंद्रचूड़ ने कहा कि यूसीसी को देश और समाज के सभी वर्गों को विश्वास में लेने के बाद ही लाया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि समान नागरिक संहिता उनके हित में हो। मैंने वही कहा जो मुझे कहना था, यानी संविधान समान नागरिक संहिता की वांछनीयता को व्यक्त करता है। मैंने कहा कि संविधान के जन्म और स्थापना के कम से कम 75 साल बाद, हमारे लिए संविधान की इस महत्वाकांक्षा और लक्ष्य को साकार करना ज़रूरी है। लेकिन साथ ही, हमें अपने समाज और समुदाय के सभी वर्गों को विश्वास में लेना होगा कि यह वास्तव में भविष्य के न्यायपूर्ण भारतीय समाज के हित में

है, जिसे हमें राष्ट्र में बनाने के लिए आवश्यकता है। समान नागरिक संहिता क्या है? समान नागरिक संहिता देश के सभी नागरिकों के लिए, चाहे उनका धर्म, जाति, पंथ और लिंग कुछ भी हो, एक समान कानून का प्रस्ताव करती है और इसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे मामले शामिल होने चाहिए। इसका उल्लेख संविधान के भाग चार में किया गया है। संविधान का अनुच्छेद 44, जो राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप है, समान नागरिक संहिता का उल्लेख करता है। इसमें कहा गया है कि राज्य भारत के संपूर्ण क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। वर्तमान में गोवा और उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू है। हालाँकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित कई अन्य राज्य भी समान नागरिक संहिता लागू करने पर विचार कर रहे हैं। केंद्र की भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की वकालत की है।

प्रज्वल रेवन्ना को उम्रकैद की सजा, बेंगलुरु स्पेशल कोर्ट ने लगाया ₹ 11 लाख का जुर्माना

बेंगलुरु (जीएनएस)। पूर्व जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास और 11 लाख रुपये का जुर्माना की सजा सुनाई गई है। होलेनरसीपुरा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज हुआ था। बेंगलुरु स्थित जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने 18 जुलाई को बलात्कार मामले की सुनवाई पूरी कर ली थी और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जिसके बाद आज सजा का ऐलान किया गया। प्रज्वल पूर्व प्रधानमंत्री और जेडी(एस) के संरक्षक एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार और यौन उत्पीड़न के चार मामले दर्ज हैं, लेकिन 1 अगस्त को जिस बलात्कार के मामले में उन्हें दोषी ठहराया गया, वह 48 वर्षीय एक महिला से संबंधित है, जो कर्नाटक के हासन में उनके परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में कार्यरत थी।

आखिर राहुल गांधी को लेकर राजनाथ सिंह ने ऐसा क्यों कहा

अगर एटम बम है तो तुरंत परीक्षण करें...

नई दिल्ली (जीएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारत में चुनावों में धांधली का आरोप लगाने के लिए निशाना साधा और कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता के पास अपने दावे को पुष्ट करने के लिए कोई सबूत नहीं है। राजनाथ सिंह ने पटना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा वोटों की धांधली पर सबूतों का एक परमाणु बम तैयार किया है... अगर उनके पास सबूतों का परमाणु बम है, तो उसका तुरंत परमाणु परीक्षण किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सच तो यह है कि उनके पास कोई सबूत या प्रमाण नहीं है।
रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी से देश की संवैधानिक संस्थाओं को अपना कर्तव्य निभाने देने की भी अपील की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सनसनीखेज दावे करना उनकी आदत है। पहले भी उन्होंने इसी तरह के बयान दिए हैं। संवैधानिक संस्थाओं को अपना कर्तव्य निभाने दें। राहुल गांधी से मेरी यही अपील है। यह कांग्रेस के स्वास्थ्य के लिए और लोकतंत्र के लिए भी अच्छा है। वहीं, उन्होंने कहा कि बिहार तो भारत ही नहीं पूरे विश्व में लोकतंत्र की जननी है। ढाई हज़ार साल पहले जब पश्चिम के अधिकांश देश जंगलों में भटक रहे थे तब इसी बिहार में लोकतांत्रिक संस्थाएं विकसित हो रही थीं।
राहुल गांधी ने शनिवार को ज़ोर देकर कहा कि भारत में चुनाव प्रणाली पहले से ही मृत है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में धांधली हुई है और उनके पास इस दावे को पुष्ट करने के लिए सबूत हैं। संवैधानिक चुनौतियाँ - परिप्रेक्ष्य और रास्ते शीर्षक से वार्षिक कानूनी सम्मेलन को संबोधित करते हुए, गांधी ने कहा कि उन्हें संदेह है कि 2024 के आम चुनावों में 80 से ज़्यादा लोकसभा सीटों पर धांधली हुई है। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि भारत में चुनाव प्रणाली पहले से ही मृत है। भारत के प्रधानमंत्री बहुत कम बहुमत के साथ पद पर हैं। अगर 15 सीटों पर धांधली हुई होती, तो हमें संदेह है कि यह संख्या 70 से 80 से ज़्यादा है, वह भारत के प्रधानमंत्री नहीं होते। हम आने वाले कुछ दिनों में आपको साबित कर देंगे कि कैसे लोकसभा चुनाव में धांधली हो सकती है और हुई भी थी।

हरियाणा में कांवड़ियों से झगड़े के बाद सीआरपीएफ जवान की हत्या, तीन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

सोनीपत (जीएनएस)। हरियाणा के सोनीपत में 28 जुलाई को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की उसके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। कुछ दिन पहले ही हरिद्वार में कांवड़ यात्रा के दौरान अपने ही गाँव के कुछ लोगों के साथ हुए झगड़े में उसका हाथापाई हुई थी। जवान कृष्ण कुमार की हत्या के सिलसिले में तीन आरोपियों को आज गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि जवान कृष्ण लगभग 30 साल का था और छुट्टी पर था। सोमवार तड़के घर लौट रहे कृष्ण पर गोली चलाने के बाद दोनों संदिग्ध फरार हो गए।
स्थानीय पुलिस अधिकारी इंस्पेक्टर लाल सिंह ने बताया, कुछ दिन पहले कांवड़ यात्रा के दौरान गाँव के कुछ युवकों का उससे झगड़ा हो गया था। उनकी पहचान कर ली गई है। कृष्ण की हत्या की साजिश कथित तौर पर हरिद्वार तीर्थयात्रा पर जाने से पहले ही रची गई थी। पुलिस ने इंडिया टुडे टीवी को बताया कि कृष्ण के अलावा, आरोपियों ने आनंद उर्फ पहिया नामक एक और व्यक्ति की हत्या की भी योजना बनाई थी। पुलिस ने हत्या के मामले में निशांत और अजय को मुख्य आरोपी के रूप में पहचाना है। कंवर जाने से पहले, अजय ने अपनी बिना लाइसेंस वाली बंदूक मोहित नाम के एक व्यक्ति के पास छोड़ दी थी। अजय के साथ प्रवीण उर्फ मेंढक भी शामिल था।

cmyk +

पीएम किसान सम्मान निधि योजना देश में बिना ब्रेक के चल रही

जनता यूनियन मथुरा । पहले जब कोई बाहरी व्यक्ति टूटी सडकों पर चलता था तब कहता था कि अब यूपी आ गया है। मगर अब उल्टा है जब कोई अच्छी सडकों पर चलता है तो कहता है कि अब हम यूपी में चल रहे हैं। ये विचार शनिवार को प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायन ने व्यक्त किए। वो शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि वेटरनरी विवि के कृशि विज्ञान केन्द्र के सभागार में आयोजित पीएम किसान सम्मान निधि की 20 वीं किस्त जारी करने के संबंध में काशी से प्रधानमंत्री के सजीव प्रसारण कार्यक्रम के दौरान किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि पहले किसानों को खेतों के लिए बिजली न के बराबर मिलती थी।मगर आज दिन में लगातार 8 घंटे बिजली मिल रही है। इस बार 9 करोड 10 लाख से अधिक किसानों को 20500 करोड रुपये की किसान सम्मान निधि भेजी गई है। यूपी में 2.5 करोड किसानों को इसका लाभ मिला है। आपरेशन सिदूर में सेना का पराक्रम देखने को मिला है। सरकार लगातार किसानों के हित में कार्य कर रही है। कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायन एवं विद्यायक पूरन प्रकाश, अधिश्ठाता मतस्य डा नित्यानंद पांडेय, निदेशक प्रसार डा अतुल सक्सेना, केवीके प्रभारी डा वाईके शर्मा, डीडी बंसत कुमार दुबे आदि द्वारा परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया है। कार्यक्रम का संचालन केवीके प्रभारी डा वाईके शर्मा ने किया। कार्यक्रम से पूर्व सभी अतिथियों को पटुका एवं गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। वहीं 5 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला कृशि अधिकारी, आवेश कुमार, उप कृशि निदेशक शोध, डा बृजमोहन, डा रविन्द्र कुमार राजपूत, इस असवर रीतराम, ओमप्रकाश, सौदान, जयवीर, तेजपाल, सरदार, शिवराम, धर्मवीर, आदि मौजूद रहे।

किसानों को बरदान साबित हो रही है किसान सम्मान निधि- लक्ष्मीनारायण

जनता यूनियन मथुरा । प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मी नारायण सिंह ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना देश में बिना ब्रेक के चल रही है। पहले जब कोई बाहरी व्यक्ति टूटी सड़कों पर चलता था तब कहता था कि अब यूपी आ गया है। मगर अब उल्टा है जब कोई अच्छी सडकों पर चलता है तो वह कहता है कि अब हम यूपी में चल रहे हैं। शनिवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्व विद्यालय के कृषि विभाग केन्द्र के सभागार में प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायन ने पीएम किसान सम्मान निधि की 20 वीं किस्त जारी करने के संबंध में काशी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सजीव प्रसारण कार्यक्रम के दौरान किसानों को संबोधित किया। उन्होने कहा कि पहले किसानों को खेतों के लिए बिजली न के बराबर मिलती थी। मगर आज दिन में लगातार 8 घंटे बिजली मिल रही है। इस बार 9 करोड़ 10 लाख से अधिक किसानों को 20500 करोड रुपये की किसान सम्मान निधि भेजी गई है। सालभर में मिलने वाले छह हजार रुपये किसानों के लिए बरदान साबित हो रही है। अब मोदी की गारंटी की तरह किसानों की फसलों के बीमा से गारंटी है।

समाधान दिवस में समाज सेवक ने की शिकायत

जनता यूनियन मथुरा । विश्व प्रसिद्ध पवित्र तीर्थ स्थल गोवर्धन धाम के तहसील प्रसार में शासन के द्वारा आयोजित जन सामान्य की समस्याओं के निदान हेतु प्रथम बात तृतीय शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है।
आपको बताते चले की आध्यात्मिक नगरी गोवर्धन धाम में भू माफियाओं का आतंक है जो की सरकारी जमीनों को फर्जी कागज बनाना के आधार पर खरीदने बेचने का धंधा चरमोत्कर्ष पर है। मौज गोवर्धन ब्राह्मण के अंतर्गत खसरा नंबर 625 एवं 626 में भू माफिया सीमा पत्नी चरण सिंह ने बंजर भूमि पर बैनामा करके अवैध कब्जा करके बिल्डिंग बना दी है वह लाखों रुपए फर्जी बैनामा को करके क्रेटा से हासिल किए हैं इस वाक्य शिकायत समाधान दिवस में सितंबर 2024 को की गई लेकिन आज तक भू माफिया के खिलाफ शासन प्रशासन की लापरवाही के कारण उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की गई ना ही अटके अमर से मुक्त कराया गया नहीं फिर की गई।

न्यूज ब्रीफ

मांट में चारा लेने गए युवक को लगा करंट, मत्यु

जनता यूनियन मथुरा । जनपद के कस्बा मांट मूला में खेत पर चारा लेने गए युवक की बिजली करंट लगने से मौत हो गई,पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।
शनिवार को मांट मूला निवासी संदीप पुत्र गोपाल खेत पर पशुओं के लिए चारा लेने गया था तभी खेत की मेड़ पर लगे हुए कांटों को हटाते समय अचानक से बिजली पोल में आ रहे करंट की चपेट में आ गया। खेतों में काम रहे किसान संदीप को अस्पताल ले गए, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जिला सहकारी बैंक शिविर लगाकर लोगों को देगी योजनाओं की जानकारी

जनता यूनियन मथुरा । जिला सहकारी बैंक की आर्थिकता एवं लाभप्रदता बढ़ाये जाने के उद्देश्य से जिला सहकारी बैंक की टर्न एआउंड प्लान (टीएपी) की बैठक बैंक के सभापति की अध्यक्षता में हुई बैठक में नाबार्ड मथुरा के जिला विकास प्रबन्धक अभिषेक शुक्ला द्वारा जमा निक्षेपों को बढ़ाये जाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के बचत खाते, दुग्ध विकास विभाग से सहयोग प्राप्त कर खुलवाये जाने की अपेक्षा की गयी। साथ ही उन्होंने बैंक द्वारा परम्परागत व्यवसाय के अतिरिक्त गृह ऋण, व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण को बढ़ावा दिये जाने पर भी बल दिया गया।इस अवसर पर जिला विकास प्रबन्धक, नाबार्ड अभिषेक शुक्ला, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता विवेक कौशल, बैंक के सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी दमन लाल शर्मा, उपमहाप्रन्धक सुमित कुमार शर्मा, अनुभाग अधिकारी (विकास) सुजीत कुमार, आदि उपस्थित रहे।

किसानों को मिले वाजिव हक

जनता यूनियन मथुरा । आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रवि प्रकाश भारद्वाज ने मौजा कोटा में 17 जून से जारी किसानों के धरने को संबोधित करते हुए कहा कि मथुरा जिला प्रशासन की किसानों के प्रति असंवेदनशीलता काबिले बर्दाश्त नहीं है। किसान अपनी जमीन का वह कानूनी मुआवजा मांग रहे हैं जिसके वह हकदार हैं। रेलवे एवं जिला प्रशासन की ओर से अब तक प्रदर्शनकारियों के साथ हुई विफल वार्ताओं का मुख्य कारण यही है कि दोनों ही मन से नहीं चाहते के किसानों को उनका वाजिब हक मिले। भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी, महानगर अध्यक्ष भरत अग्रवाल, वरिष्ठ किसान नेता प्रयागनाथ चतुर्वेदी, पंडित नरोत्तम पारशर, धीरज शर्मा, चेतन भगत आदि उपस्थित थे।

राजकीय विद्यालयों का गौरव लौटाने का हो प्रयास

जनता यूनियन मथुरा । राजकीय स्कूलों के प्रबंध समिति का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जिसमें विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने व अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं के नामांकन करने पर जोर दिया गया। डा. अखिलेश यादव द्वारा संसाधनों के उपयोग, समुदायिक सेहभागिता कैसे ले पर चर्चा अभिभावकों से की और उनके विचारों को भी सुना। जिला समन्वयक श्याम सुन्दर शर्मा द्वारा अभिभावकों की विद्यालय विकास में अहम भूमिका पर प्रकाश डाला गया। श्रीमती नेहा सिंघल, अभिषेक,श्रीमती प्रीति, बिन्नी कुमार द्वारा कुशल आदि का आयोजन में सहयोग रहा।

धूमधाम से निकली बाबा जाहरवीर जी की शोभायात्रा एवं कलश यात्रा

जनता यूनियन मथुरा । बाबा जाहरवीर की कमेटी रजिस्टर्ड द्वारा आयोजित दो दिवसीय छड़ी मेला कार्यक्रम के दौरान आज प्रातः कल सुबह हवन यज्ञ के साथ जगदीश प्रसाद गुप्ता जी के आवास से कलश यात्रा प्रारंभ होते हुए छल्ला मंदिर पर संपन्न हुई जिसमें सैकड़ो की संख्या महिलाओं ने नाचते गाते कलश यात्रा का आनंद लिया तत्पश्चात दोपहर 3:00 बजे छल्ला मंदिर से भव्य शोभायात्र का आयोजन हुआ शोभा यात्रा का उद्घाटन दीप प्रचलित कर बाबा जाहरवीर जी की सभी पदाधिकारी ने बाबा जाहरवीर जी की आरती उतार कर शोभा यात्रा का शुभारंभ किया शोभा यात्रा मैं दर्जनों झांकी एवं बैंड की मधुर आवाज से सभी को अपनी और आकर्षित कर रहे थे शोभा यात्रा मैं मां काली का अखाड़ा आकर्षण का केंद्र बना एवं बाबा जाहरवीर जी का डोला जो की भव्य रूप लाइटों की जगमघाट से लोगों को मनमोह रहा था शोभा यात्रा छल्ला मंदिर से प्रारंभ होते मसानी चौराहा कच्ची सड़क लाल दरवाजा मंडी रामदास डीग गेट होते हुए विभिन्न मार्गो से होते हुए अग्र वाटिका पर संपन्न हुई जिसका जगह-जगह पर व्यापारियों ने एवं सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से डोला पर विराजमान बाबा जाहरवीर जी के चरण सेवक ओमप्रकाश भगत जी ढोल पर सवार होकर चल रहे थे शोभा यात्रा में मुख्य रूप से संस्थापक संरक्षक राजाराम गर्ग संरक्षक श्याम सुंदर वार्ष्णेय, पप्पन अग्रवाल, अध्यक्ष ऋषि गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील वार्ष्णेय, महामंत्री दीपक गोयल एडवोकेट, उपाध्यक्ष मनीष अग्रवाल कोषाध्यक्ष शैंकी अग्रवाल मीडिया , उपाध्यक्ष अजय सैनी महासचिव गौरव गुप्ता, सौरभ गुप्ता, साइकोस अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, उपाध्यक्ष सोनपाल गुप्ता सोनू, राहुल पोशाक वाले, निखिल वार्ष्णेय,प्रशांत वार्ष्णेय, डॉ पुनीत मोहन वार्ष्णेय, प्रिंस अग्रवाल, जुगल वार्ष्णेय, आदि लोग मौजूद थे।

जब जन्मदिन रोटी बन जाए और किसी भूखे की नींद पूरी हो जाए

जनता यूनियन मथुरा । आज एक नामी होटल बुक नहीं हुआ,कोई मोमबत्तियाँ नहीं जलीं कोई शोर कोई सजावट कुछ भी नहीं फिर भी यह दिन इतिहास बन गया – क्योंकि किसी की थाली में पहली बार गरम रोटी आई। आज राम कौशिक, सुपुत्र श्रीमान कैलाश कौशिक जी का जन्मदिन है पर ये सिर्फ़ जन्म का दिन नहीं ये वो दिन बन गया जब इंसान ने खुद को नहीं, अपनी खुशियों को किसी ज़रूरतमंद की थाली में रख दिया ब्रज धाम मथुरा यहाँ भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ पर ये कोई कार्यक्रम नहीं,ये उस व्यवस्था पर चोट है, जो भूख को आदत और चुप्पी को समाधान समझ बैठी है। यह आयोजन एक जवाब था हमारे बच्चे अब सिर्फ़ जन्म नहीं लेंगे वो समाज को संस्कार देना भी सीखेंगे भूख से लड़ना भी सिखाएंगे।
किसी का झुकता हुआ सिर आज सम्मान पा गया किसी के काँपते होंठों पर 'धन्यवाद' नहीं, आँखों की नमी बोल गई कि आज पेट भी भरा और आत्मा भी।
यह जन्मदिन नहीं – एक परंपरा की शुरुआत है जहाँ हर साल केक कम और करुणा ज़्यादा बाँटी जाती जहाँ मोमबत्तियाँ नहीं जलेंगी बल्कि किसी के ठंडे चूल्हे में आग लौटेगी
राम कौशिक को जिन्हे बचपन से ही यह सिखा दिया कि सबसे सुंदर उपहार वो होता है जो किसी और की भूख छीन ले और उसे मुस्कान दे जाए सेवा में साथ रहे शिवकुमार सोनी अशोक पाठक सतेन्द्र सिंह हिंडोल जितेन्द्र सिरोही प्रमोद गौड़ उपस्थित रहे।

जिला पंचायत के वार्डों की अनिन्तम परिसीमन सूची गलत हुई प्रकाशित

जनता यूनियन मथुरा । त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए वार्ड परिसीमन की प्रक्रिया के बाद पंचायत विभाग से जिला पंचायत के वार्डों का गलत अनंतिम सूची का का प्रकाशन हो गया। विभाग के अधिकारियों को गलती की जानकारी हुई तो आज संशोधित अनंतिम सूची जारी की गई है। इस सूची पर पांच अगस्त तक आपत्तियां कोई भी व्यक्ति या राजनैतिक दल का पदाधिकारी दर्ज करा सकता है।
जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने बताया कि अनंतिम सूची पर अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत एवं क्षेत्र पंचायत कार्यालय पर दावे और आपत्ति दिए जा सकते हैं। आपत्तियों का निस्तारण 8 अगस्त तक करते हुए 10 अगस्त को वार्डों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा।
उन्होंने बताया कि जिला पंचायत के वार्ड 1 से 3 तक पुराने ही वार्ड रहेंगे। पुराने वार्ड 18 से 33 के अब नए वार्ड 17 से 32 तक बनाये गये हैं। पुराने वार्ड 4 से 17 तक के कुल 14 वार्ड बनाये गए थे इनमें अब आंशिक संशोधन कर 13 वार्ड बनाए गए है। अब जो 4 से 16 तक बनाये गए हैं।
डीपीआरओ ने बताया कि 28 जुलाई को जिला पंचायत की प्रकाशित अनंतिम परिसीमन सूची त्रुटि वश गलत प्रकाशित हो गई थी। विद्युत की बार-बार कटौती और कंप्यूटर पर कट पेस्ट करने के कारण त्रुटि हुई। जब दो दिन में काफी आपत्ति आने लगी तो मिलान करने पर पाया गया कि गलत सूची प्रकाशित हो गई है। इस प्रकार आज जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय परिसीमन की समिति से अनुमोदनोंपरात जिला पंचायत के सही संशोधित अनंतिम सूची प्रकाशित की गई। शासनादेश 15 जुलाई के अनुसार प्रकाशित सूची में जिला पंचायत के वार्ड 15 जुलाई के अनुसार प्रकाशित सूची में जिला पंचायत के वार्ड

उत्तर प्रदेश के सबसे बड़ी शतरंज प्रतियोगित का हुआ शुभारंभ

जनता यूनियन मथुरा । श्री कृष्ण की क्रीड़ा स्थली वृंदावन में उत्तर प्रदेश का अब तक का सबसे विशाल शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन प्रारंभ हुआ दो दिन चलने वाले इस शतरंज प्रतियोगिता के महासमर में देश के कौने कौने से प्रतिभागियों ने भाग लिया, कार्यक्रम का शुभारंभ मथुरा वृंदावन के लोकप्रिय विधायक श्रीकांत शर्मा और मथुरा के प्रमुख उद्योगपति महेश पाठक के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।
कार्यक्रम में उपस्थित मथुरा के उद्योगपति एवं राजनेता महेश पाठक ने डॉक्टर विनोदम चतुर्वेदी के इस प्रयास को अद्वितीय बताते हुए कहा उत्तर प्रदेश में शतरंज के खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने के लिए ऐसे आयोजनों की निरंतर आवश्यकता है इस खेल को विश्व पटल पर ले जाने के लिए तकनीक के साथ साथ नई नियमावली को खिलाड़ियों को सीखने से आज के दौर में चल रही खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर आसानी होगी।
इस आयोजन में 5 वर्ष के बालक से लेकर 80 साल तक के वृद्ध व्यक्तियों के मध्य मुकाबला कराया गया ये आयोजन कई राउंड की कोशिश के बाद कल शाम अपने अंतिम मुकाम

पर पहुंचेगा जो फाइनल विजेता बनकर आएगा उसे ऑल इंडिया ओपन ब्रज भूमि शतरंज प्रतियोगित समिति की ओर से 15 लाख रुपए की राशि प्रदान की जाएगी सभी विजेता खिलाड़ियों को उचित इनाम भी दिया जाएगा प्रतियोगिता में शामिल देश के कौने कौने से आए प्रतिभागियों को रहने खाने का पूरा प्रबंध आयोजन समिति द्वारा किया गया प्रतियोगिता में उपस्थित हुए खिलाड़ियों के अभिवावकों द्वारा आयोजन समिति की व्यवस्था और इस प्रकार के आयोजन कराने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा उत्तर प्रदेश सरकार को संज्ञान लेना चाहिए कि इस तरह के बड़े आयोजन कर्ताओं का पूर्ण समर्थन करे जिससे प्रदेश में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिल सके जिससे देश और प्रदेश में खिलाड़ी इस खेल के माध्यम से नाम रोशन कर सकें। कार्यक्रम में यज्ञदत्त चतुर्वेदी नीरज चतुर्वेदी गोपेश्वर नकुल चौधरी अनूप चतुर्वेदी राहुल उपाध्याय परविंदर वर्मा माधव शास्त्री प्रदीप चतुर्वेदी धीरेन्द्र चतुर्वेदी नीलेश कुमावत आदि मौजूद रहे।

संस्कृति बिगेस्ट एवर मेगा जॉब फेयर में 1500 विद्यार्थियों को मिले आफर लैटर

जनता यूनियन मथुरा । संस्कृति विवि द्वारा आयोजित संस्कृति बिगेस्ट एवर मेगा जॉब फेयर में दूसरे दिन पांच बजे तक विभिन्न कंपनियों ने लगभग 2500 इंटरव्यू लिए। दो दिन के दौरान लगभग 15 सौ विद्यार्थियों को आफर लैटर या अगले राउंड के लिए सलेक्ट किया गया। अच्छी बात यह थी कि कंपनियों के अधिकारी अभ्यर्थियों के साथ सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाते हुए समय के बाद भी ऐंटरटेन कर रहे थे। नौकरी चाहने वाले सैंकड़ों विद्यार्थियों की संस्कृति विवि के प्रति कृतज्ञता आयोजकों के लिए एक सुखद एहसास बन गई। उन अभ्यर्थियों की खुशी देखने लायक थी जिनके हाथ में तीन-तीन कंपनियों के आफर लैटर थे। ऐसा इसीलिए हो पाया कि विद्यार्थियों के लिए एक ही जगह सौ से अधिक कंपनियां मौजूद थीं और वे अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार एक से अधिक कंपनियों में अपना भाग्य अजमा रहे थे।
संस्कृति बिगेस्ट एवर जॉब फेयर में दूसरे दिन एक तरफ तो पहले दिन के साक्षात्कार के परिणाम घोषित हो रहे थे तो दूसरी तरफ पहली बार कंपनियों को इंटरव्यू देने वाले अभ्यर्थियों की लाइन लगी हुई थीं। हालांकि कंपनियां बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लेने ही आई हुई थीं, लेकिन योग्यता की परख में उनके द्वारा कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही थी। सबसे अच्छी बात यह थी कि कंपनियों के अधिकारियों ने सफलता न पा सकने वाले अभ्यर्थियों को कुछ सुझाव देकर अपने रिज्युमे को अपग्रेड कर कुछ समय बाद फिर से मौका देने के आश्वासन दिए। अभ्यर्थियों के लिए कंपनियों का ऐसा सहयोगात्मक रवैया एक नया अनुभव था। दूसरे दिन हालात यह हो गए कि इंटरव्यू देने वाले अभ्यर्थियों की लाइन लंबी थी और कंपनियों के अधिकारियों के सामने समय सीमा का संकट। ऐसे में यह सुझाव भी आया कि जॉब फेयर और अधिक दिनों का होना चाहिए। इस संबंध में इस मेगा जॉब फेयर आयोजित कराने वाले संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता और प्रति कुलाधिपति राजेश गुप्ता का कहना था कि हमने जैसा सोचा था उससे अधिक हमारे इरादे को संतुष्टि मिली है। नौकरी पाने वाले बच्चों की खुशी ने हम सभी को ऐसा सुखद एहसास कराया है, जिसकी कोई कीमत नहीं।
डा. सचिन गुप्ता का कहना था कि महत्वपूर्ण संख्या नहीं है महत्वपूर्ण है किसी एक बच्चे के भी सपने का साकार होना। यह कितनी बड़ी बात है कि इस जॉब फेयर के माध्यम से सैंकड़ों बच्चे नौकरी पाने में सफल हो गए जो शायद निराश हो चुके थे। उन्होंने कहा कि जब हमारे सामने दूसरे शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने अपनी दुविधा और निराशा का जिक्र किया तभी ऐसा मेगा जॉब फेयर लगाने का मन में विचार आया।

संस्कृति विवि की व्यवस्थाओं से अभिभूत

याकोहामा टायर्स के एचआर विभाग से आईं ममता गायकवाड़, जस्ट डायल से शिवम, टेलीपरफार्मेंस से ब्लैक डेविड, टेक महिंद्रा से हर्षा उपाध्याय, समता रिसर्च से गरिमा अरोड़ा, आरके बिजनेस ग्रुप से चंदन उपाध्याय, जेटीइकेटी से मनोज जुग्रान, जेबीएम कंपनी से आए विवेक सूर्यवंशी का कहना था कि संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा यह प्रयास वाकई बहुत सराहनीय रहा। विवि प्रशासन ने सारी व्यवस्थाएं उच्च श्रेणी की की थीं। सबसे सराहनीय था जॉब फेयर संचालित कर रही विद्यार्थियों की टीम। इस टीम की आवभगत ने हमें जरा भी थकान महसूस नहीं होने दी।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती की पूर्व संध्या पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

विभिन्न विधाओं में 350 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

झाँसी जयूसं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी की 139वीं जयंती के अवसर पर कला संकाय तथा हिंदी विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चार दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्नातक, परास्नातक तथा शोधार्थियों के लिए तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें निबंध लेखन कविता लेखन एवं वाचन तथा गद्य की अन्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्टाज, लघु कहानी लेखन) शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं का विषय लोक जागृति एवं राष्ट्रवाद , बुंदेलखंड के ऐतिहासिक गौरव, लोक जागृति और राष्ट्रवाद पर परिप्रेक्ष्य मेंथा। हिंदी विभाग में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर 200 से अधिक विद्यार्थियों ने 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने बुंदेलखंड के कविताओं का पाठ किया। इसके साथ ही इसी विषय पर प्रतिभागियों ने निबंध, रिपोर्टाज, लघु कहानी भी लिखी। कविता लेखन एवं वाचन प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में वैगन मरम्मत कारखाना के सीनियर सेक्शन इंजीनियर तथा पूर्व अंतर्राष्ट्रीय हॉकी कॉमेंटेटर आफाक अहमद और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेंद्र तिवारी मौजूद रहे। आफाक अहमद ने कहा कि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय केविद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि और उनकी रचनात्मकता बेहद प्रशंसनीय है। उनकी कला ने हमें अभिभूत कर दिया। डॉ. शैलेन्द्र तिवारी ने कहा कि प्रतिभागियों को विभिन्न कसौटियों पर परखा गया है। सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मुन्ना तिवारी ने बताया कि विजेताओं की घोषणा 03अ गस्त को शाम 5 बजे गांधी सभागार में की जाएगी। विजेता विद्यार्थियों को 05अगस्त 2025 को कार्यक्रम के समापन समारोह में सम्मानित अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिताओं के आयोजन में रिचा सेंगर, गरिमा, आकांक्षा सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अतिथियों के प्रति आभार डॉ. बिपिन प्रसाद ने व्यक्त किया। मंच पर डॉ. सुनीता वर्मा मौजूद रहीं।

बेटी से की दोस्ती, घर से चुराए लाखों के जेवर

झांसी जयूसं। सीपरी बाजार थाना पुलिस ने बेटी से दोस्ती कर घर से जेवरात चुराने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से तमंचा व चुराए गए जेवरात आदि सामग्री बरामद की गई। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के कारगिल पार्क के पास रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बेटी बुविवि में पढ़ती है। इसी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले एक युवक ने बेटी से दोस्ती कर ली थी। दोस्ती के बाद उक त युवक ने उसके घर पर आना जाना शुरु कर दिया था। 22 जुलाई को वह युवक आया और घर से लाखों के जेवरात आदि सामग्री चुराकर ले गया। इस मामले में पुलिस ने रामपुरा निवासी अभिषेक शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस के मुताबिक बड़ापुल के पास से अभिषेक शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से तमंचा, चोरी के जेवरात आदि सामग्री बरामद की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश किया। वहां से उसे जेल भेजा

राहुल गाँधी, चिदंबरम, दिग्विजय माफी मांगें : उमा भारती

झांसी जयूसं। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में आए निर्णय पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा भगवान ने सभी को निर्दोष साबित कर दिया। राष्ट्रवादी संगठनों को भगवा आतंकवाद से जोड़ने की बहुत बड़ी साजिश थी। उमा श्री बोलीं कि अब राहुल गांधी, दिग्विजय सिंह और पी चिदंबरम को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। झांसी में आयोजित की जा रही कांवड़ यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने आई पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने यहां पत्रकारोंसे वार्ताकरते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। साथ ही अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी की पाठशाला को लेकर भी बयान दिया। इससे पहले उन्होंने मालेगांव बम विस्फोट मामले में आरोपी बनाए गए कर्नल पुरोहित और साध्वी प्रज्ञा समेत अन्य आरोपियों के बरी हो जाने के निर्णय पर कहा कि विपक्ष ने राष्ट्रवादी संगठनों के खिलाफ साजिश करते हुए बहुसंख्यक समाज को भगवा आतंक से जोड़ने का प्रयास किया। नामजद आरोपियों को यातनाएं दी गईं लेकिन उन्होंने सभी यातनाएं सहकर खुद को निर्दोष साबित किया। उमा भारती नेकहा , भगवान ने उन्हें निर्दोष साबित कर दिया। अब राहुल गांधी, दिग्विजय सिंह और पी चिदंबरम को सार्वजनिक रूप से देश से माफी मांगनी चाहिए। वहीं, गांव-गांव में समाजवादी पार्टी की पाठशाला को लेकर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। समाजवादी पार्टी द्वारा ग्रामीण इलाकों में आयोजित की जा रही पाठशाला को लेकर कहा येक्या होता है। इसके बाद बोलीं कि बच्चों पर राजनीति करना ठीक नहीं है। आगे कहा कि बच्चों को गुमराह करना आसान नहीं है। उनके पूर्वजों ने उन्हें बताया रखा है कि पीडीए क्या है।

न्यूज ब्रीफ

वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनर्स कल्याण समिति के अध्यक्ष बने मैथिलीशरण

झांसी जयूसं। वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनर्स कल्याण समिति उ.प्र. कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष राधे कृष्ण तिवारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति की जिला झांसी इकाई के गठन किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिन जनपदों में समिति का गठन नहीं हुआ है उन जनपदों में ईकाइयां गठित की जायें। विगत दिवस ललितपुर जनपद इकाई का गठन करने के उपरांत प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनर्स कल्याण समिति (पंजी) की झांसी इकाई का सर्वसम्मति से गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष पद पर मैथिली शरण मुदगिल, कार्यकारी अध्यक्ष- आनन्द कुमार सक्सेना, उपाध्यक्ष- पवन झारखड़िया, के. के. गेड़ा, जे.पी. गोस्वामी, एवं अशोक द्विवेदी, जिला मंत्री- प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, सह मंत्री,- मोहन सिंह, वासुदेव, जयपाल सिंह, संतोष सोनी तथा कोषाध्यक्ष पद पर आलोक अग्रवाल को मनोनीत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री-संत प्रकाश वर्मा ने एवं प्रदेश मंत्री एड अजय कुमार सक्सेना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विभिन्न समस्या हेतु नगर मजिस्ट्रेट को दिया ज्ञापन

झांसी जयूसं। श्रावण मास समारोह महासमिति के तत्वावधान में श्रावण मास के अंतिम सप्ताह में पांच अगस्त से मंदिरों में लगने वाली झूला झांकी उत्सव एवं शिव मंदिरों मे भादो मास में होने वाली भंडारा में एवं 16 अगस्त को श्री कृष्ण मंदिरों मे श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर होने वाले दिए जाते धार्मिक कार्यक्रमों में पुलिस की समुचित व्यवस्था विद्युत कटौती न करने के संबंध में मंदिरों के आस-पास सफाई व्यवस्था के संदर्भ में आज महासमिति के अध्यक्ष रवीश त्रिपाठी के नेतृत्व में मंदिरों के पुजारी एवं प्रतिनिधि की उपस्थिति में नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर आचार्य मनोज पाठक, राधे चौबे, संजीव दुबे, मयंक श्रीवास्तव पार्षद, संगम गुप्ता ,जगदीश मिश्रा ,कार्तिक पचौरी ,पुडुकेश अमरिया, कालीचरण महाराज, बृज किशोर महेश्वरी, राजीव पाठक, अविनाश नगाइच, सुरेंद्र तिवारी आदि उपस्थित रहे।

एक ओर कावड़ यात्रा सोमवार को निकलेगी

झांसी जयूसं। राष्ट्रभक्त संगठन एवं हिंदू समन्वय मंच के केंद्रीय अध्यक्ष अंचल अरजारिया ने बताया कि 4 अगस्त को विधर्मियों के चंगुल से मुक्त कराए गए झांसी के दो ऐतिहासिक मंदिरों को जोड़ने वाली यात्रा मढ़िया महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर गोविंद चौराहा, मरकाजी मस्जिद सैयर गेट से ओरछा गेट जाने वाले रास्ते से होकर रतन का बाग कसाई मंडी पहुंचकर शिवालय पर जलाभिषेक कर समाप्त होगी। इसमें सैकड़ो की संख्या महिला व पुरुष श्रद्धालु सम्मिलित होंगे। इसी क्रम में ओरछा से चलकर कावड़ यात्रा 4 अगस्त को सैयर पहाड़ बिजौली से होकर राजगढ़ स्थित शिवालय पर समाप्त होगी, जिसमें सैकड़ो की संख्या में कांवरिया राजगढ़ स्थित मंदिर पर सुबह 11:00 बजे तक पहुंच कर जलाभिषेक करेंगे तत पश्चात भंडारे का कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर अर्पित शर्मा, रविंद्र पाल, वीरेंद्र भदोरिया, दीपक वर्मा, छोटू कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

बोन एंड ज्वाइंट वीक मनाएगा ऑर्थोपेडिक क्लब

झांसी जयूसं। ऑर्थोपेडिक क्लब और इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन की ओर से बोन एंड ज्वाइंट डे पर बोन एंड ज्वाइंट वीक का आयोजन किया जा रहा है। ओल्ड इज गोल्ड 360 केयर फॉर एल्डरली थीम पर आयोजित प्रोग्राम 4 अगस्त से शुरू होकर 10 अगस्त तक चलेगा। इसमें अलग-अलग निजी अस्पतालों में 60 साल की आयु पार कर चुके बुजुर्गों को निशुल्क परामर्श, जांचें और फजियोथैरेपी की सुविधा मिलेगी। साथ ही जागरुकता सेमीनार भी होंगे।
इसके अलावा 5 अगस्त को मां वैष्णो अस्पताल, 6 अगस्त को चिरंजीव अस्पताल और 7 अगस्त को बंसल अस्पताल में निशुल्क ओपीडी होगी। साथ ही निशुल्क एक्स-रे, ब्लड शुगर और बीपी की जांच होगी। इस दौरान झांसी रानी रोटरी क्लब की प्रेसिडेंट डॉ. आकांक्षा रिछारिया और मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. पारस गुप्ता मौजूद रहे।

छात्रों को सम्मिलित करने से चिकित्सीय ज्ञान का परस्पर आदान - प्रदान होता: डॉ. राजेंद्र प्रसाद

दो दिवसीय बायोस्टेटिक्स कार्यशाला का शुभारंभ

झांसी जयूसं। नेशनल एकेडमी आफ मेडिकल साइंसेज -इंडिया, नई दिल्ली के निर्देशन पर बाल रोग विभाग, मेडिकल कॉलेज के तत्वावधान में सतत्चिकित्सा शिक्षा केअन्तर्गत दो दिवसीय बायोस्टेटिक्स कार्यशाला का आयोजन एक होटल में किया गया।
इस कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डायरेक्टर, मेडिकल एजुकेशन, एवं प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, क्षयरोग विभाग, एराज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ, के मुख्य आतिथ्य में, डॉ. एन. एस. सेंगर, प्रधानाचार्य एस .एन .मेडिकल कॉलेज आगरा के विशिष्ट आतिथ्य में, डॉ. मयंक सिंह प्रधानाचार्य महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी के संरक्षण में, डॉ. बी. एल. वर्मा के निर्देशन में एवं डॉ. ओम शंकर चौरसिया, विभागाध्यक्ष बालरोग विभाग मलबा. मेडिकल कॉलेज के कार्यक्रम संयोजन में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।
मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला आयोजित करने से एवं अपनेआस-पास के मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों एवं छात्रों को सम्मिलित करने से चिकित्सीय ज्ञान का परस्पर आदान - प्रदान होता है। उद्घाटन समारोह के पश्चात मंचासीन अतिथियों एवं वरिष्ठ चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला को विभिन्न चिकित्सीय विषयों पर डॉ.प्रद्युम्न वर्मा ललितपुर, डॉ. रश्मि यादव प्रतापगढ़, डॉ. सुशील शुक्ला सैफई, डॉ. मनीषा दुबे लखनऊ, डॉ. आशीष अवस्थी लखनऊ ने सारगर्भित व्याख्यान दिये। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. राजीव सिन्हा, डॉ. आर सी अरोरा, डॉ. आर एस सेठी, डॉ. अनिल कौशिक, डॉ. साधना कौशिक, डॉ. एस. बी. गुप्ता, डॉ. दिनेश चन्द्र गोविल,डॉ. दिनेश प्रताप, डॉ. अनुज सेठी, डॉ. कंवलप्रीत, डॉ. सपना गुप्ता, डॉ. नुपूर पांडे, डॉ. मेहरबान, डॉ. सुधा शर्मा, डॉ. शोभा चतुर्वेदी, डॉ. मणि गोयल, डॉ. विमल आर्या, डॉ. भारती, डॉ. रघुवीर मंडलोई,प्रदीप श्रीवास्तव आदि का योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आराधना कनकने नेएवं आभार कार्यक्रम संयोजक डॉ. ओम शंकर चौरसिया ने व्यक्त किया।

सिद्धेश्वर मॉडर्न पब्लिक स्कूल : अरनव सिंह हेड बॉय व रिद्धि शर्मा हेड गर्ल चुने गए

झाँसी जयूसं। लहर गिर्द, सीपरी बाजार स्थित सिद्धेश्वर मॉडर्न पब्लिक स्कूल मेअलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल परिवार एवं अभिभावकों की उपस्थिति में छात्रों के नेतृत्व विकास के लिए हेड बॉय और हेड गर्ल का चयन किया गया। समारोह में अरनव सिंह को हेड बॉय और रिद्धि शर्मा को हेड गर्ल घोषित कर उन्हें बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। समारोह का कार्यक्रम का शुभारंभ सभासद श्रीमती सुशीला- गोकुल दूबे, श्रीमती रितिका तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने विद्यालय के शैक्षिक वातावरण, बच्चों में नैतिक मूल्यों की शिक्षा और समाज सेवा की भावना विकसित करने के विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनमें नेतृत्व की क्षमता का विकास करते हैं। अलंकरण समारोह के दौरान माधव शर्मा को स्पोर्ट्स कैप्टन चुना गया। इसके अलावा शिव यादव को रेड हाउसकैप्टेन,भूमि पाल को ग्रीन हाउस कैप्टेन,रुद्र प्रताप को ब्लू हाउस कैप्टेन नितिन खुशवाहा को येलो हाउस कैप्टेन बनाया गया इसके सहित कई छात्र-छात्राओं को भी जिम्मेदारियां सौंपी गई, ताकि वे विद्यालय गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा सकें और नेतृत्व के गुणों का विकास कर सकें। विद्यालय प्रभारी श्रीमती आराधना शर्मा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों का आभार व्यक्त किया । हेड बॉय, हेड गर्ल तथा अन्य चयनित छात्रों को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिवानी गुप्ता ने किया।

ब्लूम टैक्सोनॉमी प्रभावी शिक्षण व मूल्यांकन का आधार है: प्रो. डॉ. सुनील काबिया

झाँसी जयूसं। श्रीमती विद्यावती कॉलेज ऑफ फार्मेसी तथा श्रीमती विद्यावती कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गोरा मछिया के संयुक्त तत्वाधान में पाँच दिवसीय एफ. डी. पी. ''गुणात्मक परिणाम आधारित शिक्षा एवं वैश्विक युग में ब्लूम टैक्सोनॉमी'' का आज आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण, विधियों, अनुसंधान कौशल और डिजिटल टूल्स के उपयोग में दक्ष बनाना है।
इस पाँच दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. सुनील काबिया निदेशक - आई.क्यू.ए.सी.बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती विद्यावती ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के चेयरमेन विद्यानिधि मिश्र ने की एवं विशिष्ट अतिथि संस्थान के सचिव मानस मिश्र एवं कोषाध्यक्ष रविन्द्र चतुर्वेदी उपस्थित रहे। अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया ,साथ ही बीएड की छात्रा रछिता शर्मा द्वारा संस्कृतिक प्रस्तुति की गयी।
मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं अतिथियों का स्वागत फार्मेसी विभाग के निदेशक डॉ. वैभव श्रीवास्तव व ऐजुकेशन विभाग की प्राचार्या डॉ. सुधा रिछारिया ने किया।
मुख्य वक्ता प्रो. सुनील काबिया ने उद्घाटन भाषण में गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए शिक्षकों को ब्लूम टैक्सोनॉमी के छः पदो के बारे में व्याख्यान दिया एवं नैक से सम्बन्धित तैयारी के बारे में बताया। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्राचार्या गुरू हरकिशन डिग्री कॉलेज, ओमकान्त डिग्री कॉलेज, रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, स्वामी विवेकानन्द डिग्री कॉलेज, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों के शिक्षकगण ऑनलाइन तथा ऑफलाइन रूप से सम्मिलित हुए।
श्रीमती विद्यावती कॉलेज ऑफ फार्मेसी के निदेशक डॉ. वैभव श्रीवास्तव एवं कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सुधा रिछारिया ने फार्मेसी विभाग एवं एजुकेशन विभाग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की । प्राचार्या ने ऑनलाइन तथा ऑफलाइन रूप से सम्मिलित हुए सभी प्राचार्य एवं शिक्षकगण को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर डॉ. कुलदीप कुमार सविता, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. खुशबू मिश्रा, विज्ञान सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. अन्जना पाल, विवेक पाल, मीनल सोनी, दीपक कुमार, ज्योति वर्मा, शिखर बाबू, साक्षी पाण्डेय, रूपम कुशवाहा, दीपिका शाक्या, अखिल गुप्ता, मनोज यादव, शाश्वत तिवारी, ललित नारायण राय, राजकुमार, वीरेन्द्र कुमार सरसैया, दीपक चन्द, आंन्जनेय शर्मा एवं वैशाली पाण्डेय आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रितु भारती एवं आगंतुक अतिथियों, प्रबन्ध समिति का आभार डॉ. अनिल कुमार दुबे ने व्यक्त किया।

हरियाली तीज कार्यक्रम का हुआ संपन्न

झांसी जयूसं। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, बाहर दतिया गेट में कुटुंब प्रबोधन, मातृ सम्मेलन एवं हरियाली तीज का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. रेनू माथुर ने कुटुंब प्रबोधन,भारतीय संस्कृति,भोजन और तीज-त्योहारों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं शांति शर्मा -माताजी, ने जीवन को आध्यात्म से जोड़ने के महत्व पर जोर दिया। हरियाली तीज और मातृ सम्मेलन के दौरान माता- बहनों के लिए भारतीय त्योहारों, पर्वों और श्रृंगार से संबंधित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजयी माता बहनों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में लगभग 150 माताएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर कृष्णा पुरोहित, डॉ.कुसुम पांडेय, कल्पना पांडेय, इंदिरा गुप्ता, सुमन जैन, स्वप्निल मोदी, करुणा सरावगी, पुष्पा श्रीवास्तव, रजनी आगवेकर आरती, अनुपमा खन्ना, भावना सराया, प्रीति अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, विद्यालय की समस्त आचार्या बहनें, विद्यालय की अभिभावक माता बहनें आदि उपस्थित रहे। अंत में आभार ज्ञापन विद्यालय की प्रबंधिका रमा चतुर्वेदी ने व्यक्त किया।

ओरछा के भित्ति चित्रों मेंसामाजिक जीवन संस्कृति की झलक : डॉ.अरुणा

दीक्षांत उत्सव केअंतर्गत ललित कला संस्थान ने आयोजित की व्याख्यान माला श्रृंखला

झाँसी जयूसं। चित्रकला विभाग शासकीय मानकुंवर बाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर की विभागाध्यक्ष डॉ. अरुणा ने ओरछा के भित्ति चित्रों पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि ओरछा के भित्ति चित्र दैनिक मानव जीवन के साथ-साथ सांस्कृतिक तथा विभिन्न धार्मिक पहलुओं को प्रदर्शित करते हुए चित्रित किये गए है । यह बात उन्होंने ललित कला संस्थान बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी में आयोजित बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के 50 वर्ष स्वर्ण जयंती वर्ष पूर्ण होने एवं दीक्षांत समारोह पर आयोजित व्याख्यान माला की श्रृंखला में कही है।
उन्होंने कहा कि इन चित्रों मेंतत्कालीन चित्रकारों नेअपने मनोभाव से जीवंत झलक प्रस्तुत की है। यहां के चित्र पारंपरिक एवं परंपरा पद्धति के होते हुए जीवन को यथार्थ करने में सहायक सिद्ध होते हैं ओरछा के राज महल एवं लक्ष्मी मंदिर में जिन चित्रों की झलक देखने को मिलती है। प्रो.मुन्ना तिवारी कला संकायाध्यक्ष ने ओरछा के भित्ति चित्रों पर प्रकाश डालते हुए यहां के नैसर्गिक सौंदर्य साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर संस्थान की समन्वयक डॉ.श्वेता पाण्डेय ने ओरछा के भित्ति चित्रों की पारंपरिक रंग योजना की जानकारी प्रदान कर उपस्थित विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वह इन स्थलों में जाकर भ्रमण करें एवं वहां जो चित्र पाए गए हैं उनका स्केच एवं अध्ययन करें। कार्यक्रम में डॉ. कौशल त्रिपाठी, डॉ.जय सिंह, डॉ.अजय कुमार गुप्ता, डॉ.दिलीप कुमार, डॉ.अंकिता शर्मा, डॉ.रानी शर्मा, डॉ.संतोष कुमार, गजेंद्र सिंह, उमेश शुक्ल, डॉ.अभिषेक गुप्ता, डॉ.राघवेंद्र दीक्षित, ब्रजेश पाल ,रेखा आर्य, रागनी सोनी, काजल ओझा सहित विधार्थी उपस्थित रहे।

हेल्पर ने टेक्नीशियन को पीटा, मुकदमा

झांसी जयूसं। रेलवे हेल्पर ने कार्यालय में तैनात टेक्नीशियन की पिटाई कर दी। इसके बाद हेल्पर धमकी देकर भाग गया। इस मामले में रेलवे पुलिस ने हेल्पर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।
ग्वालियर निवासी चंद्रशेखर ने जीआरपी ग्वालियर में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि वह एसएसई/टीडी/ ग्वालियर में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत है। इसी कार्यालय में हेल्पर के पद पर मोहसिन खान भी पदस्थ है। बीते रोज वह अपने कार्यालय में था, तभी हेल्पर आया और कहने लगा कि तुम यहां किसकेआदेश पर काम कर रहे हो, तब उसने कहा कि वह अपने वरिष्ठ अधिकारियों के कहने पर कार्य कर रहा हूं।, तुम हेल्पर हो मुझे पूछने वाले कौन हो तो वो कहने लगा कि कल से यहां दिख मत जाना और यहां से निकल जा। गुस्से में आकर हेल्पर ने मारपीट शुरू कर दी। कार्यालय में टेबल पर रखे सामान को इधर से उधर फेंक दिया। महत्वपूर्ण दस्तावेज खराब हो गए। इसके बाद हेल्पर नौकरी न करने की धमकी देकर चला गया। पुलिस ने हेल्पर मोहसिन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं, टेक्नीशियन ने भी रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र भेजकर हेल्पर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कामयाब रिश्ते में सम्मान सबसे जरूरी : सोनाली बेंद्रे

मुंबई, (एजेंसियां)। अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे इन दिनों 'पति-पत्नी और पंगा' को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने बताया कि शादी को कामयाब बनाने के लिए पति-पत्नी दोनों को रोजाना अपने रिश्ते पर ध्यान देना चाहिए। इसे कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि रिश्ता तभी मजबूत रहता है जब दोनों मिलकर इसको सहेजते हैं। सोनाली से यंग कपल्स के बारे में बताया कि आज के यंग कपल्स को सलाह देना मुश्किल है, क्योंकि वे मानते हैं कि उन्हें सब कुछ पहले से पता है। उनके पास इंटरनेट है। गूगल और चैटजीपीटी जैसे टूल्स हैं, जो हर सवाल का जवाब फौरन दे देते हैं। इसलिए, वे किसी की भी सलाह को गंभीरता से नहीं लेते, और उन्हें सलाह देने की कोशिश करने वाले अक्सर नाकाम हो जाते हैं।

सोनाली बेंद्रे ने अच्छी शादी का राज बताते हुए कहा कि मेरे हिसाब से शादी ऐसी चीज है, जिसमें रोज थोड़ी-थोड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसे कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। दोनों पति-पत्नी को मिलकर इस रिश्ते पर काम करना होता है और साथ ही एक-दूसरे का सम्मान करना बहुत जरूरी है।

बेंद्रे ने बताया कि शादी एक ऐसा रिश्ता है जो बराबरी और आपसी साझेदारी पर टिकता है। उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं कि हर काम में हम एक जैसे हों, लेकिन हमारी खूबियां एक-दूसरे की खामियों को पूरा करें। अब मुझे कुछ चीजें अच्छे से आती हैं, और कुछ मेरे पति को, तो हम अपनी जिम्मेदारियां उसी हिसाब से बांटते हैं। शादी का मतलब है एक-दूसरे का साथ। वक्त के साथ समझ आता है कि कभी-कभी आप ज्यादा समझौता करते हैं, और कभी आपका पार्टनर करता है।

'विश्व स्तनपान सप्ताह' केवल स्वास्थ्य अभियान नहीं

मां और शिशु के जीवन को सशक्त बनाने का प्रयास

■ मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसी योजना ■ शिशुओं को कुपोषण, दस्त और निमोनिया जैसी बीमारियों से बचाता है स्तनपान

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। विश्व स्तनपान सप्ताह (1-7 अगस्त) को महिला एवं बाल विकास मंत्री और कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने मां और शिशु के बीच जीवनदायी रिश्ते को मजबूत करने का संकल्प बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि यह केवल स्वास्थ्य अभियान नहीं, बल्कि मातृत्व को सशक्त बनाने का प्रयास है। इस साल की थीम 'स्तनपान को प्राथमिकता दें स्थायी सहायता प्रणालियां बनाएं' माताओं और शिशुओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा कि 'विश्व स्तनपान सप्ताह' केवल एक स्वास्थ्य अभियान नहीं, बल्कि मां और शिशु के बीच जीवनदायी संबंध को सशक्त बनाने का संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसी पहलें मातृत्व को सुरक्षा, सम्मान और शक्ति प्रदान कर रही हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा बहनों के सतत प्रयासों के साथ-साथ पोषण ट्रैकर जैसे डिजिटल टूल्स माताओं को अधिक जागरूक, समर्थ और स्वास्थ्य-साक्षर बना रहे हैं।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि स्तनपान को बढ़ावा देना समाज के लिए एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जो मां और शिशु दोनों के लिए जीवन रक्षक है। इस अभियान का लक्ष्य समाज, कार्यस्थलों और सरकारी नीतियों में ऐसी व्यवस्थाएं बनाना है जो माताओं को स्तनपान के लिए प्रोत्साहित करें। अन्नपूर्णा देवी ने वीडियो में अपील की कि गर्भवती महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसी योजनाओं की सराहना की, जो माताओं को सुरक्षा और समर्थन प्रदान करती हैं। आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के साथ पोषण ट्रैकर जैसे डिजिटल उपकरण माताओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ के अनुसार, स्तनपान शिशुओं को कुपोषण, दस्त और निमोनिया जैसी बीमारियों से बचाता है, साथ ही माताओं में स्तन कैंसर, डिम्बग्रंथि कैंसर और टाइप-2 मधुमेह का खतरा कम करता है। स्तन के दूध में मौजूद एंटीबॉडी शिशुओं को बीमारियों से सुरक्षा देते हैं।

स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए वरदान है शतावरी

- सेवन से मां और शिशु दोनों को लाभ
- सतावर श्वेत प्रदर, अनियमित मासिक धर्म जैसी समस्याओं में राहत

नई दिल्ली। मां का दूध शिशु को पहले छह महीनों के लिए आवश्यक सभी पोषण प्रदान करता है। यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है और विशेषज्ञों का मानना है कि यह शिशु को कई संक्रमणों के साथ ही कई समस्याओं से बचाने में भी मदद करता है। विश्व स्तनपान सप्ताह (1-7 अगस्त) चल रहा है। ऐसे में कई ऐसी जड़ी-बूटियां हैं, जो न केवल शिशु बल्कि मां के लिए भी लाभकारी हैं। ऐसी ही एक बूटी का नाम है शतावरी, जो स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए वरदान है। स्तनपान प्रसव के बाद मां के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हो सकता है, और इससे माताओं में कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा कम हो सकता है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय ऐसे ही एक औषधीय गुणों से भरपूर पौधे के बारे में जानकारी देता है। शतावरी (सतावर) स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए एक प्रभावी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है। भारत और पाकिस्तान में जंगली रूप से उगने वाली यह शीतल गुणों वाली जड़ी-बूटी न केवल माताओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है, बल्कि शिशु के लिए भी लाभकारी है। सतावर की जड़ें प्रजनन स्वास्थ्य, शक्ति और समग्र कल्याण को बेहतर बनाने में सहायक हैं।

फिल्म 'अजेय' को सेंसर बोर्ड ने नहीं दिया सर्टिफिकेट

मुंबई, (एजेंसियां)। फिल्म 'अजेय द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' की रिलीज पर एक बार फिर संकट मंडरा रहा है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म को सर्टिफिकेट देने से इनकार कर दिया है, जिसके खिलाफ निर्माताओं ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। मेकर्स का कहना है कि सीबीएफसी ने फिल्म देखे बिना ही प्रमाणन आवेदन खारिज कर दिया। दरअसल, शुक्रवार को फिल्म के मेकर्स की तरफ से दाखिल की गई याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस नीला गोखले की पीठ ने सीबीएफसी से पूछा कि क्या वह बिना फिल्म, टीजर या ट्रेलर देखे प्रमाणन आवेदन खारिज कर सकता है। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि जब फिल्म शांतनु गुप्ता की किताब 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' से प्रेरित है, जो आठ साल से सार्वजनिक डोमेन में है और जिस पर कोई आपत्ति नहीं दर्ज की गई, तो फिल्म को प्रमाणन क्यों नहीं दिया गया। अदालत ने सीबीएफसी को नोटिस जारी किया और कहा कि अगर किताब पर कोई आपत्ति नहीं, तो उससे प्रेरित फिल्म सार्वजनिक व्यवस्था कैसे बिगाड़ सकती है? सीबीएफसी ने दलील दी कि उसने स्क्रिप्ट और डायलॉग के

मेकर्स ने खटखटाया बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा

आधार पर फैसला लिया, और फिल्म देखना अनिवार्य नहीं है। इस पर जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और डॉ. नीला गोखले की खंडपीठ ने नाराजगी जताई, क्योंकि 17 जुलाई की सुनवाई में सीबीएफसी ने कहा था कि वह नियमों के अनुसार प्रमाणन पर फैसला लेगा, फिर भी फिल्म की स्क्रीनिंग नहीं की गई। कोर्ट ने निर्माताओं की इस दलील पर गौर किया कि सीबीएफसी ने फिल्म देखे बिना ही केवल एक ईमेल भेजकर आवेदन खारिज कर दिया। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी फिल्म पहले से ही सार्वजनिक डोमेन में है।

अहान पांडे को उनकी मेहनत ने बनाया 'सुपरस्टार' : मोहित सूरी

मुंबई, (एजेंसियां)। निर्देशक मोहित सूरी की हालिया रिलीज फिल्म 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म ने हिंदी सिनेमा को अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे दो नए सितारे दिए हैं। मोहित ने अहान पांडे की तारीफ करते हुए बताया कि उनकी सफलता के पीछे क्या वजह है। मोहित ने कहा कि अहान पांडे की सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे अहान का सहायक निर्देशक के रूप में अनुभव उनकी पहली मुख्य भूमिका के लिए मददगार साबित हुआ। मोहित ने अहान को आज की पीढ़ी का सुपरस्टार बनाया।

अहान ने 'फ्रीकी अली', 'रॉक ऑन 2' और समीक्षकों द्वारा सराही गई सीरीज 'द रेलवे मेन' में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया है। मोहित ने बताया कि अहान का ध्यान प्रोडक्शन से ज्यादा एक्टर्स के साथ काम करने और उनके काम को समझने पर था। उनकी गहरी समझ और एकाग्रता ने उन्हें सेट पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की। मोहित ने बताया कि मेरे कुछ असिस्टेंट ने भी उनके साथ काम किया है।

गंगटोक के चिड़ियाघर में दो लाल पांडा शावकों का जन्म

गंगटोक, (एजेंसियां)। सिक्किम की राजधानी गंगटोक में बुलबुली स्थित हिमालयन चिड़ियाघर में दो लाल पांडा शावकों का जन्म इस लुप्तप्राय प्रजाति और पार्क के चल रहे लाल पांडा संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम के लिए नई आशाएं लेकर आया है।

गत 15 जून को लाल पांडा माता-पिता लकी (द्वितीय) और मिराक से जन्में शावकों के इस जोड़े को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शावकों का जन्म न केवल एक खुशी का पल है बल्कि यह बेहद महत्वपूर्ण क्षण भी है। पिछले सात सालों से चिड़ियाघर में किसी भी नए लाल पांडा का जन्म नहीं हुआ था। इसका मुख्य कारण 'कैनाइन डिस्टेंपर' नामक घातक वायरस का प्रकोप था जिसने चिड़ियाघर के लाल पांडा की आबादी को लगभग खत्म कर दिया था। इस तरह की बाधा से उबरना

- लाल पांडा का सर्दियों के मौसम में प्रजनन नवम्बर से जनवरी तक
- जानवर अपने बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए गर्म जगह घर बनाना करते हैं पसंद

आसान नहीं था लेकिन इन शावकों का जन्म इस बात का संकेत है कि चिड़ियाघर के कर्मचारियों के समर्पित प्रयास आखिरकार रंग ला रहे हैं।

हिमालयन चिड़ियाघर में लाल पांडा का प्रजनन कार्यक्रम 1997 में शुरू हुआ था जिसमें रोटरडैम चिड़ियाघर से प्रीति नाम की एक मादा लाल पांडा और दार्जिलिंग के पद्मजा नायडू हिमालयन चिड़ियाघर से जुगल नाम के एक नर पांडा को लाया गया था।

उनकी संतानें भारत की सबसे महत्वपूर्ण लाल पांडा संरक्षण परियोजनाओं में से एक का आधार बनीं। 2005 में अधिक आनुवंशिक विविधता सुनिश्चित करने के लिए लकी और राम नाम के एक जंगली जोड़े को प्रजनन कार्यक्रम में शामिल किया गया।

चिड़ियाघर में जन्मे हर लाल पांडा की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय 'स्टडबुक' के जरिए सावधानीपूर्वक निगरानी और ट्रैकिंग की जाती है। इससे एक स्वस्थ 'जीन' पूल बनाए रखने में मदद मिलती है और दुनिया भर के प्रजनन कार्यक्रमों में सहयोग संभव होता है। वर्तमान शावकों के माता-पिता लकी (द्वितीय) और मिराक इस व्यापक संरक्षण नेटवर्क का हिस्सा हैं।

पीठ व कमर दर्द में फायदेमंद मकरासन

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। शारीरिक हो या मानसिक, हर समस्या का समाधान करने में योगासन कारगर है। ऐसा ही एक आसन है मकरासन, जो तनाव से राहत देने के साथ ही सेहतमंद भी बनाता है। इस आसन को करने से पीठ और कमर का दर्द कम होता है और शरीर को आराम मिलता है। 'मकरासन' संस्कृत शब्द है, जो 'मकर' और 'आसन' इन दो शब्दों से मिलकर बना है। 'मकर' का अर्थ मगरमच्छ और 'आसन' का अर्थ मुद्रा है। यह आसन आराम करते हुए मगरमच्छ जैसा दिखता है। यह तनाव को दूर कर पाचन को बेहतर बनाता है और अस्थमा, ग्रीवा संबंधी तकलीफ और साइटिका के दर्द से भी राहत देता है। भारत सरकार, आयुष मंत्रालय के अनुसार, मकरासन करने से शरीर की मांसपेशियों को आराम मिलता है। खासतौर से यह पीठ, कमर और कंधों की जकड़न को दूर करता है। यह श्वसन प्रणाली के लिए भी लाभकारी माना जाता है। यह योगासन मानसिक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।

यह रीढ़ की हड्डी के लिए बेहद लाभकारी योगासन है। मकरासन रीढ़ की हड्डी की संरचना को संतुलित बनाए रखने में मदद करता है और उसमें लचीलापन बढ़ाता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो पीठ दर्द, स्लिप डिस्क जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसका नियमित अभ्यास रीढ़ की हड्डी को मजबूत और स्वस्थ बनाता है। इसके अलावा, मकरासन मानसिक तनाव और चिंता को कम करने में सहायक होता है। इस आसन के अभ्यास से मस्तिष्क को शांति मिलती है और एकाग्रता बढ़ती है।

करण जौहर की 'होमबाउंड' को आईएफएफएम 2025 में मिला खास मुकाम

मुंबई, (एजेंसियां)। जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा अभिनीत फिल्म 'होमबाउंड' का शानदार प्रीमियर प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। अब इसे मेलबर्न भारतीय फिल्म महोत्सव 'आईएफएफएम' 2025 की क्लोजिंग फिल्म के तौर पर चुना गया है। फिल्म के निर्देशक विशाल घेवाण ने कहा कि आईएफएफएम हमेशा से शानदार फिल्मों को ही बढ़ावा देता है, मुझे खुशी है कि होमबाउंड को इस फिल्म फेस्टिवल की आखिरी फिल्म के तौर पर चुना गया है।

करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, और सोमेन मिश्रा मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, इसके को-प्रोड्यूसर मारीक डिसूजा और मेलिटा टॉस्कन डु प्लांटियर हैं, और खास बात है कि मार्टिन स्कॉर्सेसी इस फिल्म के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं।

निर्माता करण जौहर ने कहा कि होमबाउंड की कहानी असल में सपनों, पहचान और बदलाव के साथ आने वाले दर्द को दिखाती है। करण ने फिल्म के निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बहुत ही खूबसूरत और दिल को छू जाने वाली फिल्म बनाई है। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे बहुत गर्व है कि धर्मा प्रोडक्शंस इस फिल्म के साथ खड़ा है। साथ ही, फिल्म को आईएफएफएम क्लोजिंग फिल्म के तौर पर चुना गया है, जो बोल्ड कहानियों को मंच देता है, जो फिल्म के सफर में एक बड़ी उपलब्धि है। यह फिल्म उत्तर भारत के दो बचपन के दोस्तों की कहानी है जो मिलकर पुलिस अफसर बनना चाहते हैं ताकि अपने जीवन की मुश्किल जिंदगी और हालात से निकल सकें।

प्रफुल्ल चंद्र रे न सिर्फ एक वैज्ञानिक बल्कि थे साहित्य प्रेमी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। 2 अगस्त को महान वैज्ञानिक प्रफुल्ल चंद्र रे की जयंती है। प्रफुल्ल चंद्र रे न सिर्फ एक महान वैज्ञानिक थे, बल्कि वे शिक्षक, राष्ट्रसेवक, और मानवीय मूल्यों के प्रतीक भी थे। उन्होंने भारतीय विज्ञान को एक नई दिशा दी और देश में स्वदेशी रसायन उद्योग की नींव रखी इसलिए उन्हें 'भारतीय रसायन विज्ञान का जनक' माना जाता है।

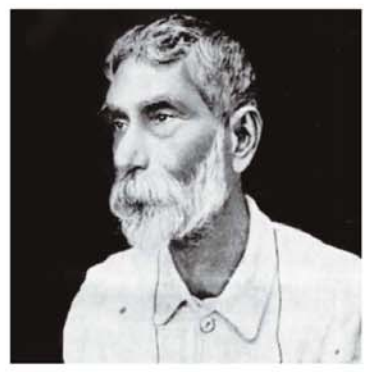

जयंती विशेष

प्रफुल्ल चंद्र का जन्म 2 अगस्त 1861 को खुलना (वर्तमान बांग्लादेश) जिले के एक गांव में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव के स्कूल में शुरू हुई। पश्चिम बंगाल के पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, प्रफुल्ल चंद्र अक्सर स्कूल से भाग जाते थे और अपना समय किसी पेड़ की शाखाओं पर छिपकर बिताते थे। गांव के स्कूल में पढ़ाई के बाद वे कोलकाता चले गए, जहां उन्होंने हरे स्कूल और मेट्रोपॉलिटन कॉलेज में पढ़ाई की।

पर्यटन विभाग के मुताबिक, प्रेसीडेंसी कॉलेज में, जहां वे अक्सर पढ़ते थे, अलेक्जेंडर पेडलर के व्याख्यानों ने उन्हें रसायन विज्ञान की ओर आकर्षित किया, हालांकि उनका पहला प्यार साहित्य था। इस बात का जिक्र श्यामल चक्रवर्ती की किताब 'प्रफुल्ल चंद्र रे लाइफ ऑफ लीजेंड' में भी है। इसमें लिखा है, 'प्रफुल्ल चंद्र रे की मुख्य रुचि इतिहास और अलग भाषाओं में थी। एक बार उन्होंने कहा था कि वे गलती से रसायनशास्त्री बन गए थे, हालांकि यह कहना मुश्किल है कि प्रफुल्ल चंद्र ने यह बात गंभीरता से कही थी या नहीं। उन्होंने साहित्य में रुचि लेना जारी रखा और घर पर ही लैटिन और फ्रेंच भाषाएं सीखीं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से एफ.ए. की डिग्री प्राप्त करने के बाद वे स्कॉलरशिप पर एडिनबर्ग विश्वविद्यालय गए, जहां उन्होंने बी.एससी. और डी.एससी. दोनों की डिग्रियां हासिल कीं। 1888 में प्रफुल्ल चंद्र भारत लौट आए। शुरुआत में उन्होंने अपने प्रसिद्ध मित्र जगदीश चंद्र बोस के साथ उनकी प्रयोगशाला में एक साल काम किया। 1889 में प्रफुल्ल चंद्र को कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में रसायन विज्ञान का सहायक प्राध्यापक नियुक्त किया गया।

मरकरी नाइट्राइट और उसके व्युत्पन्नों पर उनके प्रकाशनों ने उन्हें दुनिया भर में ख्याति दिलाई। एक शिक्षक के रूप में भी उनकी भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण थी। उन्होंने भारत में युवा केमिस्ट्स की एक पीढ़ी को प्रेरित किया और इस प्रकार एक भारतीय रसायन विज्ञान विद्यालय का निर्माण किया। अमेरिकी सरकार की 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, भारत के वरिष्ठ रसायनशास्त्री अनिमेष चक्रवर्ती ने रे के योगदान को सराहते हुए कहा कि उस समय भौतिकीय उपकरण सीमित थे और रासायनिक बंधों की प्रकृति के बारे में बहुत कम ज्ञात था। ऐसे में नए यौगिकों का संश्लेषण और उनकी संरचना का अध्ययन ही संभव था और इस दिशा में प्रफुल्ल चंद्र रे का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण था। वे वो अंकुर लाए जहां पहले कुछ भी नहीं था।

बंगाल सरकार के पर्यटन विभाग के मुताबिक, प्रफुल्ल चंद्र का मानना था कि भारत की प्रगति केवल औद्योगीकरण से ही संभव है। फेलोशिप की स्थापना के लिए दान कर दिया। इस दान का मूल्य लगभग दो लाख रुपए था। आखिर वे 75 साल की आयु में सेवानिवृत्त हुए। प्रफुल्ल चंद्र में एक वैज्ञानिक और एक औद्योगिक उद्यमी, दोनों के गुण समाहित थे। उनका निधन 16 जून 1944 को कोलकाता में हुआ; उनकी आयु लगभग 82 वर्ष थी। रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान को मान्यता देते हुए 1917 में उन्हें 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एम्पायर' की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

निष्क्रिय अंगों को पुनर्जनन करने में सहायक त्रिदोष

■ पाचन तंत्र को मजबूत करने में बेहतर ■ सिद्ध चिकित्सा में हर्बल दवाएं, योग, प्राणायाम शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सिद्ध चिकित्सा एक प्रचलित प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जो प्रभावी और सहज विधा के चलते न केवल रोगों के उपचार में सहायक है, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समग्र संतुलन को भी बढ़ावा देती है। यह प्रणाली त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) को संतुलित करने, पाचन तंत्र को मजबूत और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में प्रभावी है।

सिद्ध प्रणाली तमिलनाडु में उत्पन्न भारत की सबसे प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों में से एक है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह प्रणाली त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) को संतुलित करने, पाचन तंत्र को मजबूत करने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में प्रभावी है। 'सिद्ध' शब्द तमिल भाषा के 'सिद्धि' से लिया गया है, जिसका अर्थ है पूर्णता या उपलब्धि। यह चिकित्सा पद्धति हर्बल उपचार, डिटॉक्स रूटीन, सचेत आहार और जीवनशैली प्रथाओं के माध्यम से आंतरिक संतुलन पर जोर देती है।

सिद्ध चिकित्सा की उत्पत्ति का श्रेय अठारह सिद्धों को दिया जाता है, जिनमें अगस्त्यर को इसका संस्थापक माना जाता है। परंपरा के अनुसार, भगवान शिव ने इस ज्ञान को पार्वती, फिर नंदीदेवर और अंत में सिद्धों तक पहुंचाया था। यह ज्ञान पहले मौखिक रूप से और बाद में ताड़ के पत्तों पर लिखित पांडुलिपियों के माध्यम से संरक्षित हुआ। सिद्ध चिकित्सा रोगी की आयु, आदतों, पर्यावरण और शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखकर व्यक्तिगत उपचार प्रदान करती है।

यह प्रणाली तमिल भाषी क्षेत्रों, विशेष रूप से तमिलनाडु, केरल और श्रीलंका में प्रचलित है।

त्रिदोष को संतुलित करने में भी ये प्रणाली मदद करती है, जो आयुर्वेद के अनुसार सभी बीमारियों का मूल कारण है। यह पाचन तंत्र को मजबूत करती है, सूजन, अल्सर, अपच, और भूख की कमी जैसी समस्याओं को दूर करती है। कायकार्पम (जीवनशैली और चिकित्सा का संयोजन) और मुप्पु (सार्वभौमिक नमक) इसकी विशेषता है, जो निष्क्रिय अंगों को पुनर्जनन और शरीर को डिटॉक्स करने में सहायक है। कोविड-19 जैसे रोगों के लक्षणों में सुधार के लिए भी यह प्रभावी साबित हुई है।

सिद्ध चिकित्सा में हर्बल दवाएं, योग, प्राणायाम, ध्यान और आहार परिवर्तन शामिल हैं। उपचार शुरू करने से पहले रोगी की शारीरिक स्थिति, दोषों का असंतुलन और जीवनशैली का विश्लेषण किया जाता है। 'कायकार्पम' के तहत विशेष जड़ी-बूटियों और खनिजों का इस्तेमाल किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है। डिटॉक्स के लिए पंचकर्मा जैसी प्रक्रियाएं और विशेष आहार योजनाएं अपनाई जाती हैं। सिद्ध प्रणाली न केवल रोगों का इलाज करती है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का मार्ग भी दिखाती है। भारत सरकार ने सिद्ध चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए तमिलनाडु और केरल में स्कूल और कॉलेज स्थापित किए हैं।

किसानी पर प्रेमचंद की कहानियां

दो

दिन पहले 31 जुलाई को प्रसिद्ध उपन्यासकार प्रेमचंद का जन्मदिन था। उनकी कहानियां बचपन से हम पढ़ते आ रहे हैं। उनका जन्म गांव में हुआ था, वहां पढ़े-बढ़े, मास्टरी की, गांव और समाज को देखा, उनके दुख-दर्द से जुड़े, उसे महसूस किया और उन पर कहानी व उपन्यासों की रचना की। आज प्रेमचंद का जीवन और उनकी कुछ कहानियों की चर्चा इस कॉलम में करना चाहूंगा, जिससे प्रेमचंद के जीवन व लेखन की झलक मिले।

यह तो सभी जानते हैं कि उनका जन्म 31 जुलाई, 1880 को बनारस के पास लमही गांव में हुआ था। बचपन में ही माता-पिता का निधन हो गया। घर की जिम्मेदारियों के साथ पढ़ाई की, और शिक्षक की नौकरी की। नौकरी के बाद भी पढ़ाई जारी रखी। बाद में शिक्षा विभाग में स्कूलों का मुआयना करने वाले अधिकारी(इंस्पेक्टर) पर नियुक्त हुए। राष्ट्रीय आंदोलन से प्रभावित हुए। गांधी और टालस्टाय का प्रभाव रहा। इसलिए नौकरी छोड़कर पूरी तरह लेखन करने लगे। कहानियां, उपन्यास, स्तंभ, लेख लिखे। उनकी कई कहानियां बहुत ही प्रसिद्ध हैं।

उनका जीवन सीधा सादा था। उन्होंने अपने जीवन के बारे में लिखा है कि मेरा जीवन सपाट, समतल मैदान है, जिसमें कहीं-कहीं गड्ढे तो हैं, पर टीलों, पर्वतों, घने जंगलों, गहरी घाटियों और खंडहरों का स्थान नहीं।

उनके साहित्य और जीवन के बीच खाई या दीवार नहीं है। उनके बेटे व साहित्यकार अमृतराय उनकी जीवनी कलम के सिपाही में लिखते हैं कि पौ फटने से पहले ही हल-बैल लेकर अपने खेत पर चले जाने वाले किसान का अनुशासित, पर अनुशासन के आडम्बर से मुक्त, जीवन ही उनका जीवन है।

प्रेमचंद ने हमारे गांव, समाज, किसान को नजदीक से देखा। गांव में उनका जन्म ही हुआ, वे पले—बढ़े भी वहीं, पर बाद में नौकरी के दौरान कई गांवों में जाने का मौका मिला। वहां के दुख-दर्द को महसूस किया, उस पर लिखा, बल्कि खूब लिखा। बल्कि वे एक किसान की ही तरह थे, किसान कुदाल चलाता है, और वे कलम चलाते थे।

उनके बेटे और साहित्यकार अमृतराय ने उनकी जीवनी कलम के सिपाही में बताया है कि प्रेमचंद के लिए लिखने का क्या मायने हैं। लिखना महज दिमाग की खुजली मिटाना नहीं है, बल्कि जिंदगी है तो उसे भी जिंदगी के तमाम और रसझल्लों के बीच जिन्दा रहना होगा। इसकी तदबीर करनी होगी। इसके लिए अपने आपसे लड़ना होगा। दिमाग को दिल को इस बात की ट्रेनिंग देनी होगी।

नवाचार

■ बाबा मायाराम

मैं यहां गांव और किसान से जुड़ी प्रेमचंद की कहानियों का जिक्र करना चाहूंगा, जिससे पता चल सके कि किसानों की समस्याएं अब भी वही है, जो उनके जमाने में थी। पूस की रात नामक कहानी बताती है कि किसानों को कितनी मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। फसल बोने से लेकर फसल कटाई तक कई तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। बहुत ज्यादा ठंड में भी खेतों की रखवाली करनी पड़ती है। इस कहानी में एक किसान दंपति हल्कू और मुन्नी है। उनका खेत है, खेत में फसल है। फसल की रखवाली के लिए किसान जाता है। लेकिन पूस की रात, जब कंपकंपाती ठंड होती है, उस समय रखवाली करना मुश्किल होता है।

जब हल्कू को गर्म कपड़ों के अभाव में, कम्बल के बिना खेतों की रखवाली करनी पड़ती है। क्योंकि कम्बल के पैसे कर्ज चुकाने के लिए देने पड़े। एक दिन वह उसके कुत्ते के साथ रखवाली करने गया। उस दिन बहुत ठंड थी। अलाव जलाया, कुछ समय उसके सहारे रहा, थोड़ी गर्मी शरीर में आ गई तो नींद आ गई। कुत्ता भोंकता रहा, एक बार हल्कू लगा भी कि खेत मे नीलगायों का झुंड आ गया, उसके कानों में आवाज़ें साफ सुनाई दे रही थीं। लेकिन यह उसका भ्रम है। वह उठा भी और फिर अलाव के पास बैठ गया और सो गया। और किसान हल्कू की आंख लग गई। और खेत की फसल नीलगायों के झुंड ने चर लिया। जब सुबह हुई तो किसान की पत्नी आई, और देखा कि खेत को जानवरों ने चर लिया है और उसका पति सो रहा है। उसने पति को जगाया और पूछा- क्या आज सोते ही रहोगे?

आज भी जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा करना बहुत कठिन काम है। बहुत ठंड में भी किसानों को फसलों की रखवाली करनी पड़ती है। वे मचान (मंडप) बनाकर वहां से खेतों की रखवाली करते हैं पर कई बार इसके बावजूद भी जंगली जानवर फसल चर जाते हैं, बर्बाद कर जाते हैं। यह देश के अलग अलग कोनों में देखने में आया है कि फसलों को जानवरों से बचाना बहुत मुश्किल काम है। एक बार उत्तराखंड में गया तो वहां के किसानों ने बताया कि दिन में बंदर, रात में सुअर फसलों को बरबाद कर रहे हैं। यह वैसा ही है कि नजर हटी तो दुर्घटना घटी।

प्रेमचंद की एक और कहानी है दो बैलों की कथा। इस कहानी झुरी नामक किसान के पास दो बैल थे। हीरा और मोती। दोनों में अच्छी दोस्ती है। किसान भी उन दोनों को बहुत प्रेम करता है। वह कुछ समय के लिए उन्हें ससुराल भेज दिए। वहां से लौट आए। पर वहां एक छोटी लड़की बैलों को प्यार करती थीं। रोटी खिलाती थी। लेकिन उनका मन वहां नहीं लगा और वे रस्सी तुड़ाकर भाग गए।

किसी के मटर के खेत में घुस गए। कांजी हाऊस में बंद कर दिए गए। एक हफ्ते दोनों बैल वहीं बंधे रहे। वहां ढंग से न चारा मिला न पानी। दोनों कमजोर हो गए। हड्डियां निकल आईं। कुछ दिन बाद दोनों की नीलामी हो गई। नीलामी से खरीदने वाला व्यक्ति बैलों को लेकर चला, रास्ते में जिस किसान के बैल थे, वह उसके घर के पास जाकर रूक गए। किसान झूरी बोला- ये बैल मेरे हैं। नीलाम में लेने वाला बोला- मैंने तो नीलाम में लिए हैं। दोनों बैलों ने नीलाम लेने वाले व्यक्ति को दौड़ाया और इस तरह दोनों बैल उनके मालिक के पास ही रह गए।

यह कहानी बार-बार पढ़कर ग्रामीण व खेती-किसानी में बैलों का, पशुओं का महत्व समझ आता है। लेकिन अब बैलों की जगह ट्रेक्टर ने ले ली है। बैल हमारी खेती से बाहर हो गए हैं। पशु सड़कों पर मारे मारे फिर रहे हैं। ऐसी दुर्दशा जीवन में पशुओं की नहीं देखी। पहले गांव में बड़ी संख्या में पशु होते थे। खेती भी बैलों पर निर्भर होती थी। उसके गोबर खाद से मिट्टी उर्वर होती थी। फसल अच्छी होती थी। फसलों के अवशेष व ठंडल पशुओं को खिलाने के काम आते थे। इस तरह खेती में लागत भी बहुत कम लगती थी।

इसी तरह प्रेमचंद की लेखनी में किसान, गांव और समाज पर ढेरों कहानियां हैं। जिनमें समाज की कुरीतियां, अभाव, गरीबी झलकती है। इनसे लड़ने की प्रेरणा भी है। जीने की जिजीविषा भी, संघर्ष भी है। कुल मिलाकर, प्रेमचंद ने जो देखा, जो महसूस किया, वह लिखा, वह आज भी प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज की समस्याएं, कुरीतियों, देश की गुलामी, राष्ट्रीय आंदोलन सब लिखा, कहानियों व उपन्यासों के माध्यम से रचनात्मक ढंग से कलम चलाई। वे जीवन में ऐसे ही संघर्ष करते रहे, अभाव, घरेलू परेशानियों से जूझते रहे। लेकिन फिर भी लिखते रहे, एक निष्काम कर्मयोगी की तरह, निरंतर अपने काम में लगे रहे। उनका जीवन व लेखन एक जैसा है, यही उनके साहित्य में है। इसलिए उनका जीवन और लेखन दोनों ही प्रेरणास्पद है। उनसे सदैव ही पीढ़ियां प्रेरणा लेती रहेंगी।

ग्रामीण व खेती-किसानी में बैलों का, पशुओं का महत्व समझ आता है। लेकिन अब बैलों की जगह ट्रेक्टर ने ले ली है। बैल हमारी खेती से बाहर हो गए हैं। पशु सड़कों पर मारे मारे फिर रहे हैं। ऐसी दुर्दशा जीवन में पशुओं की नहीं देखी। पहले गांव में बड़ी संख्या में पशु होते थे। खेती भी बैलों पर निर्भर होती थी। उसके गोबर खाद से मिट्टी उर्वर होती थी। फसल अच्छी होती थी। फसलों के अवशेष व ठंडल पशुओं को खिलाने के काम आते थे।

26 जुलाई

- राजस्थान में झालावाड़ में एक स्कूल की दत गिरने से 6 बच्चों की मौत हो गई।
- लोकसभा में स्पीकर ओम बिड़ला ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने विपक्ष की मांग स्वीकार कर ली।
- अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री के खिलाफ केन्द्र सरकार ने एएलटीटी, उतलू समेत 25 ओटीटी प्लेटफार्म प्रतिबंधित कर दिया।
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मानव रहित यान से मिसाइल दागने का परीक्षण सफल कर लिया।

27 जुलाई

- पीएम नरेन्द्र मोदी मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।
- लोकसभा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले सुप्रिया सुले सहित 17 सांसदों को मिला संसद रत्न।
- कंबोडिया बौद्ध विश्वविद्यालय के आईटी सेंटर से 150 छात्रों ने की डिग्री पूरी।
- फिलीपींस में चक्रवाती तूफान से 30 लोगों की मौत हो गई।

28 जुलाई

- हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ से 6 लोगों की मौत हो गई।
- थाईलैंड-कंबोडिया सीमा संघर्ष में 80 हजार कंबोडियाई ग्रामीणों ने छोड़ा घर। सकूल कॉलेज बंद हुए।
- चीन ने विश्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहयोग संगठन का प्रस्ताव रखा।
- सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशीप 2025 में कनाडाई सुपरस्टर समर मैकिन्ट्रोश ने महिलाओं के 400 मीटर तैराकी फाइनल में स्वर्णपदक जीता।

29 जुलाई

- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में विपक्ष को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर किसी दबाव में नहीं रोका गया।
- सेना का ऑपरेशन महादेव के तहत श्रीनगर में तीन आतंकी ढेर। पहलगाम हमले का मास्टर माइंड सुलेमान शाह उफ हाशिम मूस्म भी मारा गया।
- भारत की शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने फिडे महिला विश्वकप का खिताब जीता।
- सुप्रीम कोट ने बिहार में एसआईआर पर रोक लगाने से इंकार कर दिया।

30 जुलाई

- पीएम मोदी ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर की बहस पर स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी नेता ने जंग नहीं रूकवाई।
- पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकी ऑपरेशन महादेव में ढेर कर दिए गए। अमित शाह ने यह जानकारी संसद में दी।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने प्रलय मिसाइल के दो सफल परीक्षण किए।
- स्वच्छता सर्वे में छत्तीसगढ़ ने सुधारी अपनी रैंकिंग, टॉप 100 में छत्तीसगढ़ी के 25 शहर आए। 169 में 115 शहरों ने सुधारी रैंकिंग।

31 जुलाई

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि भारत पर 25 फीसदी टेरिफ लगाएगा।
- अंतरिक्ष में भारत ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उपग्रह निसार सफलता पूर्वक कक्षा में स्थापित हुआ।
- चीनी पासपोर्ट धारक दुनियाभर के 90 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में यात्रा कर सकते हैं।
- भारतीय सेना के व्हाइट नाइट कोर ने जम्मू कश्मीर के पूंछ में नियंत्रण रेखा पर ऑपरेशन शिवशक्ति के तहत दो आतंकी ढेर किए।

1 अगस्त

- छत्तीसगढ़ की अधोसंरचना को रफ्तार देने के लिए प्रदेश को मिली 600 करोड़ की सड़क परियोजनाओं की सौगात।
- उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा मोदी व डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती का खामियाजा भुगत रहा है देश।
- महाराष्ट्र में प्रसिद्ध शनि शिगंणापुर मंदिर में हुआ बड़ा घोटाला।
- पहलगाम आतंकी हमले के बाद राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत बुनियादी ढांचे का हो रहा विकास।

मोदी सरकार व्यापार पैटर्न को संतुलित करे और घरेलू खपत को बढ़ावा दे

■ डॉ. नीलांजन बनिक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय निर्यात पर 25प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है जो आज एक अगस्त से लागू हो गया है। उन्होंने भारतीय निर्यात पर एक अतिरिक्त जुर्माने की भी बात की, जो रूस के साथ तेल व्यापार जारी रखने वाले देशों पर अधिभार के रूप में 100 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। ऐसा लगता है कि ट्रम्प को 'मित्र' भारत की कोई परवाह नहीं है, क्योंकि भारत के साथ व्यापार का हिस्सा चीन के साथ अमेरिका के व्यापार की तुलना में बहुत कम है। अमेरिकी हितों के कारण, चीन को भारत की तुलना में बेहतर व्यापार समझौता मिलने की संभावना है -चीन को अमेरिकी चिप-डिज़ाइन सॉफ्टवेयर निर्यात पर प्रतिबंध हटाना इसका एक उदाहरण है।

यह पहली बार नहीं है जब ट्रम्प ने भारत के प्रति कड़ा रुख अपनाया है। राष्ट्रपति के रूप में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, ट्रंप ने न केवल भारत को 'टैरिफ किंग' करार दिया था, बल्कि उन्होंने भारत को सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली (जीएसपी) से भी हटा दिया था। 1974 के व्यापार अधिनियम द्वारा स्थापित जीएसपी के तहत, अमेरिकी नीति निर्माताओं ने नामित लाभार्थी देशों - मुख्य रूप से निम्न-आय वाले देशों- से लगभग 3,500 उत्पादों के आयात को तरजीही शुल्क-मुक्त (शून्य-टैरिफ) दर पर अनुमति दी थी। इसका उद्देश्य इन देशों को अमेरिका के साथ अपने व्यापार को बढ़ाने और विविधता लाने में मदद करना था। विश्व बैंक के अनुसार, 'निम्न-आय' वाला देश वह है जिसकी प्रति व्यक्ति आय 2024 में प्रति वर्ष 1,045 से कम था।

चूंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना हुआ है, इसलिए बढ़ते प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों के कारण दबाव महसूस होना स्वाभाविक है। भारत के कुल निर्यात का लगभग 18 प्रतिशत अमेरिका को जाता है, जिसका मूल्य 2023 में 77 अरब डॉलर और 2024 में 78 अरब डॉलर होगा।

हालांकि, यदि जीएसपी की वापसी सहित पिछले प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों को कोई संकेत माना जाए, तो इसका प्रभाव अपेक्षाकृत मामूली रहा है। जीएसपी के अंतर्गत योग्य वस्तुओं की एक त्वरित समीक्षा से पता चलता है कि वे मुख्य रूप से वस्त्र और परिधान, घड़ियां, जूते, काम के दस्ताने, ऑटोमोटिव घटक और चमड़े के परिधान जैसी श्रेणियों में आते हैं।

इन प्रमुख निर्यात श्रेणियों में, वस्त्र और परिधान तथा ऑटोमोटिव घटकों की कुछ वस्तुओं को जीएसपी सूची में शामिल किया गया था। इसके अतिरिक्त, कार्बनिक रसायन, इस्पात और कुछ इंजीनियरिंग वस्तुओं—जैसे परमाणु बॉयलर, मशीनरी और यांत्रिक उपकरणों—का निर्यात भी जीएसपी लाभों की वापसी से प्रभावित हुआ। हालांकि, अमेरिका को कुल भारतीय निर्यात के अनुपात के रूप में इन वस्तुओं का मूल्य अपेक्षाकृत कम है। भारत द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में मुख्यत: हीरे 19 प्रतिशत, पैकेज्ड दवाइयां 14प्रतिशत, परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद 8.9प्रतिशत, ऑटोमोटिव कंपोनेंट 2.1प्रतिशत, और वस्त्र एवं परिधान 3.7प्रतिशत शामिल हैं। उपरोक्त में दिए गए प्रतिशत भारत के कुल निर्यात के प्रतिशत के रूप में अमेरिका को भारत के निर्यात की हिस्सेदारी दर्शाते हैं।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हाल ही में हुए हस्ताक्षर से दीर्घावधि में अत्यधिक टैरिफ के कुछ नकारात्मक प्रभावों को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। भारतीय नीति निर्माताओं ने लगभग 20प्रतिशत टैरिफ की उम्मीद की थी, लेकिन ट्रम्प ने अंतत: 25प्रतिशत की दर लागू कर दी। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते की बदौलत, भारत को अपने 99प्रतिशत निर्यात पर शून्य टैरिफ का लाभ मिलेगा, विशेष रूप से वस्त्र, आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोटिव पार्ट्स और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में - ऐसे क्षेत्र जिनके बारे में टिप्पणीकारों को डर है कि उच्च अमेरिकी टैरिफ से उन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

अमेरिका को भारतीय निर्यात पर भी सापेक्षिक रूप से कम असर पड़ने की संभावना है, क्योंकि ट्रम्प ने उन देशों पर एकतरफ़ा टैरिफ़ लगा दिए हैं जिनके निर्यात अमेरिकी बाज़ार में भारत के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं।

बाहरी झटकों- चाहे संरक्षणवादी टैरिफ़ हों या युद्ध - का बेहतर ढंग से सामना करने के लिए, भारत को अपने विनिर्माण क्षेत्र/निर्यात को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने और अपनी घरेलू अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारतीय अर्थव्यवस्था एक मज़बूत घरेलू क्षेत्र से लाभान्वित होती है, जहां घरेलू खपत, सरकारी खर्च और निजी निवेश मिलकर देश के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 80प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं।

> **बाहरी झटकों- चाहे संरक्षणवादी टैरिफ़ हों या युद्ध - का बेहतर ढंग से सामना करने के लिए, भारत को अपने विनिर्माण क्षेत्र/निर्यात को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने और अपनी घरेलू अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारतीय अर्थव्यवस्था एक मज़बूत घरेलू क्षेत्र से लाभान्वित होती है, जहां घरेलू खपत, सरकारी खर्च और निजी निवेश मिलकर देश के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 80प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं।**

हालांकि, सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण मूल्यवर्धन का योगदान 1 प्रतिशत पर स्थिर बना हुआ है, जो विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता में कोई सुधार नहीं दर्शाता है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता का एक प्रमुख चालक, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) घट रहा है। 2023-24 वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में सकल एफडीआई प्रवाह घटकर केवल 1 प्रतिशत और शुद्ध एफडीआई घटकर 0.6प्रतिशत रह गया है - जो 2005-06 के बाद से नहीं देखा गया स्तर है। व्यावसायिक वातावरण में कठोरता, उल्टा शुल्क ढांचा (आईडीएस) और भारत द्वारा द्विपक्षीय संधियों को समाप्त करने के निर्णय को एफडीआई के प्रवाह को हतोत्साहित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

कट्स इंटरनेशनल द्वारा कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन और धातु क्षेत्र में 1,464 टैरिफ लाइनों पर किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि आईडीएस किस प्रकार वाणिज्यिक क्षेत्र को नुकसान पहुंचा रहा है। प्रतिस्पर्धात्मकता, जिसमें वस्त्र उद्योग से 136, इलेक्ट्रॉनिक्स से 179, रसायन से 64 और धातुओं से 191 वस्तुएं सबसे अधिक प्रभावित हैं। उदाहरण के लिए, 14 डॉलर (1,000 रुपये) से कम कीमत वाले परिधानों पर 5प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि 14 डॉलर से अधिक कीमत वाले परिधानों पर 12प्रतिशत कर लगता है। कपड़ा निर्माताओं के लिए, विपणन, गोदाम किराया, रसद, कूरियर सेवाओं और अन्य पूर्ति लागतों जैसी मूल्यवर्धित सेवाओं में भी महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होती है।

हालांकि, इन अतिरिक्त सेवाओं पर 18प्रतिशत की उच्च जीएसटी दर लागू होती है, जिससे ये उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कम प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं। भारत के बजट 2025 में आईडीएस के मुद्दे को संबोधित किया गया है; उदाहरण के लिए, सरकार ने इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले पर टैरिफ 10प्रतिशत से बढ़ाकर 20प्रतिशत कर दिया है, जबकि ओपन सेल और संबंधित घटकों पर टैरिफ घटाकर 5प्रतिशत कर दिया है। इस प्रवृत्ति को जारी रखने की आवश्यकता है, और नीति निर्माताओं को विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए और सुधारों को लागू करना चाहिए।

टैरिफ वार्ता एक सतत प्रक्रिया है, लेकिन भारत अमेरिकी तेल और रक्षा उपकरणों की खरीद बढ़ाकर अपनी स्थिति मज़बूत करने पर विचार कर सकता है। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, ट्रंप ने खुद को एक प्रमुख हथियार विक्रेता के रूप में स्थापित किया और ज़्यादा हथियार और तेल बेचने पर ध्यान केंद्रित किया। भारत ने 2008 से अब तक लगभग 20 अरब डॉलर मूल्य की अमेरिकी रक्षा सामग्री के लिए अनुबंध किए हैं। संभावित ट्रंप 2.0 में भी यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है। भारत को भी टैरिफ पर कम और घरेलू विकृतियों को दूर करने पर ज़्यादा ध्यान देना चाहिए।

मुंबई ट्रेन धमाके : हाईकोर्ट ने खोली जांच की पोल

11 जुलाई, 2006 को शाम 6.23 से 6.29 के बीच मुंबई की उपनगरीय ट्रेन नेटवर्क में हुए सात सिलसिलेवार बम धमाकों में 187 की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हुए थे। रेल यात्री एक आसान लक्ष्य थे जिनके खिलाफ यह भयानक अपराध किया गया था। भारत के व्यवसायिक केंद्र मुंबई में लोकल ट्रेनें शहर के उत्तर-दक्षिण गलियारे में एक दिन में 60 लाख से अधिक आम लोगों को ले जाती हैं। इन विस्फोटों ने शहर और देश को हिलाकर रख दिया था लेकिन एक अलग तरह का झटका 19 साल बाद लगा जब 21 जुलाई, 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने फैसला सुनाया कि मामला प्रभावी ढंग से हल नहीं हुआ है और 'असली खतरा बड़े पैमाने पर बना हुआ है'। उच्च न्यायालय ने मामले के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। इनमें से पांच को निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। अदालत ने अपने फैसले में मामले की गलत जांच के लिए पुलिस के खिलाफ कठोर टिप्पणियां की हैं।

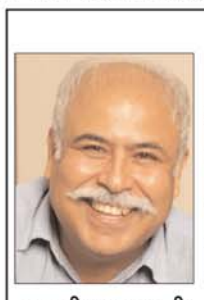

जगदीश रत्तनानी

> **एक बड़ी तस्वीर जो उभरती है वह असफल प्रशासन की है जो मजबूत आंतरिक और बाहरी जांच के अभाव में ढलान पर तेजी से फिसल रहा है, आतंकवाद से लड़ने के नाम पर अंधा समर्थन कर रहा है जबकि असली आतंकवादी खुले में घूम रहे हैं और जो गलतियों को स्वीकार करने और सुधारने से इनकार कर रहा है। इससे भी बदतर, यह एक धर्मनिरपेक्ष गिरावट है। हम किसी एक पार्टी या सरकार को दोष नहीं दे सकते।**

जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की खंडपीठ ने 667 पन्नों के फैसले की शुरुआत इन शब्दों से की- 'अपराध के वास्तविक अपराधी को दंडित करना आपराधिक गतिविधियों को रोकने, कानून के शासन को बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस और आवश्यक कदम है। लेकिन आरोपियों को कटघरे में पेश कर किसी मामले को सुलझाने का झूठा आभास पैदा करना समाधान की भ्रामक भावना पैदा करता है। यह जनता के विश्वास को कम करता है और समाज को झूठा आश्वस्त करता है जबकि वास्तव में असली खतरा बड़े पैमाने पर बना हुआ है।'

वास्तव में न्यायाधीशों ने दर्ज किया कि अपराधी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं। हम नहीं जानते कि अपराध किसने किया। कुछ निर्दोषों को यातनाएं दी गईं और हत्यारों के रूप में पेश किया गया लेकिन विस्तार से बनायी गयी कहानी जांच में खरी नहीं उतरी।

बॉम्बे हाईकोर्ट की तीखी टिप्पणी न केवल जांच एजेंसियों के लिए शर्म और बदनामी की बात है बल्कि उसने ऐसे महत्वपूर्ण सवाल भी उठाए जो इस तरह के एक सुनियोजित, समन्वित एवं जघन्य अपराध की तह तक जाने के लिए जांच की गुणवत्ता या एजेंसियों और उनके नेतृत्व की क्षमता से परे है। उन्होंने पूरे जांच नेटवर्क की अखंडता पर सवाल उठाए जिसने कानून के लंबे हाथ का इस्तेमाल किया और उन आरोपों को दबाया जो ठोस रूप से खारिज कर दिए जाते हैं। हालांकि यह ज्ञात है कि पुलिस प्रणाली परिपूर्ण नहीं है और विशेष रूप से संवेदनशील जांच के मामलों में कानून की उचित प्रक्रिया और बारीकियां खिंच जाती हैं। इस बात को देखते हुए उच्च न्यायालय द्वारा दर्ज की गई टिप्पणियों में कानून के इस प्रकार के थोक उल्लंघन ने इस मामले में राज्य और उसकी एजेंसियों को एक नए धरातल पर खड़ा कर दिया है।

इस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के बारे में राज्य की काफी स्वाभाविक और स्पष्ट प्रतिक्रिया रही है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तो इस हद तक इस फैसले पर रोक लगाने की मांग की कि यह फैसला वर्तमान में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत अभियोजित अन्य मामलों की सुनवाई कर रही निचली अदालतों के समक्ष मिसाल के रूप में काम नहीं करेगा। उच्चतम न्यायालय के जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एनके सिंह ने अपने आदेश में कहा कि बरी होने के बाद पहले ही रिहा किए जा चुके लोगों को जेल में डालने का सवाल ही नहीं उठता। हालांकि, न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया कि 'कानून के सवाल पर विद्वान सॉलिसिटर जनरल द्वारा की गई प्रस्तुतियों को ध्यान में रखते हुए हम यह मानने के इच्छुक हैं कि विवादित निर्णय को किसी अन्य लंबित कार्रवाई में एक मिसाल के रूप में नहीं माना जाएगा इसलिए उस सीमा तक विवादित निर्णय के संचालन पर रोक रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट को इस मामले पर विचार करने में कुछ समय लगेगा। इस दौरान इस बात के लिए पर्याप्त समय है कि उच्च न्यायालय के फैसले से कुछ सबक लिए जाएं जिसमें आंखें खोलने के लिए पर्याप्त सामग्री है। यदि जनता को यह विश्वास दिलाना है कि आतंकवादियों को सजा मिलेगी तो इसके लिए प्रशासनिक तंत्र के शीर्ष अधिकारियों के बीच आंतरिक आत्म-मंथन शुरू होना चाहिए और अभियानों की कुछ समीक्षा होनी चाहिए। इस मामले से पता चलता है कि किसी भी अपराध को हल करने में यातना के उपयोग सहित जांच के पुराने तरीके मदद नहीं करते हैं लेकिन वास्तव में उनका उपयोग जांच की पसंदीदा रेखा को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है क्योंकि असली अपराधी पहुंच से बाहर हैं।

बॉम्बे उच्च न्यायालय के शब्दों की गूंज जबरदस्त है। एक जगह जस्टिस ने कहा- आरोपी से कबूलनामे के लिए अपनाई गई पुलिस की बर्बरता और यातना के इस विस्तृत विवरण (फैसले के पिछले पैरा में वर्णित) को पढ़ना और कल्पना करना मुश्किल है; और अगर इसे सच और सही माना जाता है तो यह निश्चित रूप से अमानवीय, बर्बर और कठोर तरीकों को दर्शाता है। शिकायत में जिस तरह की यातना का जिक्र किया गया है, वह किसी की भी अंतरात्मा को झकझोर देगी। वर्णन से पता चलता है कि बताई गई घटनाएं अस्पष्ट व सामान्य नहीं बल्कि विवरण अर्थात तारीख, स्थान, अधिकारियों के नाम और यातना की प्रकृति के साथ हैं। अदालत ने फैसले में कहा कि, 'बर्बर और अमानवीय यातना' के इस विवरण की पुष्टि रिकॉर्ड पर मौजूद चिकित्सकीय साक्ष्यों से भी होती है। अन्य स्थानों पर अदालत ने पाया कि इकबालिया बयानों से अपराध के महत्वपूर्ण पहलुओं का खुलासा नहीं होता है, जैसे- 1. बमों को किन कंटेनरों में पैक किया गया था 2. बमों में कैसे विस्फोट किया गया था 3. बमों को ट्रिगर करने के लिए किस उपकरण का इस्तेमाल किया गया था 4. डिवाइस कैसे सटीक रूप से सक्रिय हो गया और सबसे महत्वपूर्ण बात; 5. माहिम और बांद्रा स्टेशनों पर विस्फोट करने वाले बम किसने लगाए?

एक बड़ी तस्वीर जो उभरती है वह असफल प्रशासन की है जो मजबूत आंतरिक और बाहरी जांच के अभाव में ढलान पर तेजी से फिसल रहा है, आतंकवाद से लड़ने के नाम पर अंधा समर्थन कर रहा है जबकि असली आतंकवादी खुले में घूम रहे हैं और जो गलतियों को स्वीकार करने और सुधारने से इनकार कर रहा है। इससे भी बदतर, यह एक धर्मनिरपेक्ष गिरावट है। हम किसी एक पार्टी या सरकार को दोष नहीं दे सकते- सभी एक ही नाव में सवार हैं और इस पतन में साझेदार हैं। धमाकों के बाद से महाराष्ट्र में विभिन्न दलों और सरकारों के तहत कुल 10 सरकारें रही हैं जिनमें दो बार केंद्रीय शासन भी शामिल है।

आखिरी बात, शॉर्टकट काम नहीं करते हैं। वे न्याय के लिए काम नहीं करते हैं। वे देश के लिए अहितकारी हैं। यह संदेश पुलिस बल को नीचे से ऊपर तक भेजा जाना चाहिए। इसके साथ ही उचित प्रक्रिया का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। जिस तरह कुछ वर्गों ने बरी किए जाने के खिलाफ आवाज उठाई है, उसी तरह जांच में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ भी आवाज उठानी होगी। हमें वास्तविक दोषियों को खोजने के लिए कार्य करना चाहिए तथा उन सभी को दंडित करना चाहिए जिन्होंने मानदंडों का उल्लंघन किया है और हमें इस स्थिति तक पहुंचाया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। सिंडिकेट:द बिलियन प्रेस)

फरियादी को त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण दिलाना प्राथमिकता : अमनदीप डुली

■ सम्पूर्ण समाधान : नये जिलाधिकारी ने किया 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण

ललितपुर। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जन समस्यायें सुनते डीएम-एसपी-एडीएम।

ललितपुर। शासन के निर्देशानुसार शनिवार को जनपद की समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसके तहत नवागंतुक जिलाधिकारी अमनदीप डुली एवं पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने तहसील तालबेहट में जनसुनवाई की। इस अवसर पर अधिवक्ताओं व नागरिकों ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक का माला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया। शेष शिकायती पत्रों को सम्बंधित अधिकारियों को सौंपते हुए जनसेवा को प्रतिबद्ध जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जनशिकायतों का निस्तारण प्रत्येक दशा में समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। आज जो शिकायतें सम्बंधित विभागों को तिथि निर्धारित कर पृष्ठांकित की जा रही हैं, वे नियत तिथि तक अनिवार्य रुप से निस्तारित हो जानी चाहिए। उनकी पुनरावृत्ति से समझा जाएगा कि सम्बंधित अधिकारी निस्तारण कराने में रुचि नहीं ले रहे हैं, और उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं को अपने समीप बुलाकर गंभीरता से उनकी बात सुनी और उन्हें निस्तारण का भरोसा दियाला। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा जिला प्रशासन का दायित्व है, यहां उपस्थित प्रत्येक अधिकारी जनशिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अंकुर श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार श्रीवास्तव, डीएफओ गौतम सिंह, डीसी मनरेगा रमेश कुमार यादव, उप जिलाधिकारी तालबेहट भूपेन्द्र सिंह, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, क्षेत्राधिकारी पुलिस, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

- इस सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसील ललितपुर में कुल 25 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व विभाग के 7, विकास के 4, विद्युत के 3, पुलिस का 1 तथा अन्य विभागों के 10 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 5 का मौके पर निस्तारण कराया गया।
- तहसील महरौनी में कुल 31 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 10, पुलिस विभाग के 6, विकास विभाग के 3, पूर्ति के 5, विद्युत के 3, चकबंदी का 1 तथा अन्य विभाग के 3 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 9 का मौके पर निस्तारण कराया गया।
- तहसील तालबेहट में कुल 141 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 32, विकास के 12, पुलिस के 17, पूर्ति के 23, विद्युत के 8, नगर पंचायत के 2 तथा पूर्ति के 47 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 11 का मौके पर निस्तारण कराया गया।
- तहसील मड़ावरा में अ कुल 50 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 6, विकास के 3, पुलिस के 5, पूर्ति के 32 तथा अन्य विभागों के 4 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 4 का मौके पर निस्तारण कराया गया।
- तहसील पाली में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 14 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 5, पुलिस के 2, विद्युत के 2, पूर्ति के 3 तथा अन्य विभागों के 2 प्रार्थना पत्र शामिल हैद्व जिनमें से 2 का मौके पर निस्तारण कराया गया।

पेट्रोल पम्प की दीवार से टकराया ट्रक, दो की मौत

एक घायल अस्पताल में

ललितपुर। पेट्रोल पम्प में घुसे ट्रक की जाँच करती पुलिस।

ललितपुर। तालबेहट कोतवाली क्षेत्र में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। हाईवे-44 पर बम्होरीसर गांव स्थित भारत पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पेट्रोल पंप की दीवार से जा टकराया। इस हादसे में ग्राम विद्यामहावत निवासी ट्रक चालक 40 वर्षीय राजकुमार व क्लीनर 42 वर्षीय रमेश पाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा व्यक्ति रवि जो कि नागपुर से लोहे की चद्दर भरकर कानपुर जा रहा था, गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 5 बजे हुआ, जब ट्रक ललितपुर की ओर से आकर झाँसी की ओर जा रहा था। ट्रक की रफ्तार बहुत अधिक थी और चालक अचानक उस पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे वाहन दीवार को तोड़ता हुआ पंप के अंदर घुस गया। टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दीवार का बड़ा हिस्सा धराशायी हो गया और ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी मनोज मिश्रा पुलिस बल व बचाव टीम के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक में फंसे घायल को बाहर निकाला। हादसे में चालक व परिचालक की मौत हो चुकी थी, जबकि एक की हालत नाजुक थी। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, हादसे की वजह स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को प्रमुख कारण माना जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है, और जिम्मेदारों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फलदार पौधे रोपकर किया वृहद वृक्षारोपण

ललितपुर। पौधरोपण करते जैन मिलन पदाधिकारी।

ललितपुर। तालाबपुरा डोंडाघाट स्थित श्रीचन्द्रप्रभु जैन मिलन के तत्वाधान में श्रीशान्तोदय तीर्थ क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया। वक्ताओं ने कहा कि हरे-भरे पेड़-पौधे ही धरती का असली श्रृंगार हैं। आधुनिकता की चकाचौंध में वृक्षों का दोहन नहीं होना चाहिए। इसलिए प्रत्येक वर्ष हजारों-लाखों पौधों का रोपण किया जाता है, ताकि धरती पर हरियाली रहे। हरियाली से पेड़-पौधों से पर्यावरण संतुलित और स्वच्छ रहता है। इस दौरान वीर राजेश कोटा अध्यक्ष, वीर कमलेश मस्तापुर मंत्री, वीर मनीष पारौल कोषाध्यक्ष, वीर अनूप सेठी शाहपुर संयोजक, वीर आनंद झारसुगुड़ा, वीर नरेन्द करमई, वीर पवन सतरवांस, वीर संतोष सतरवास, वीर सचिन कटेरा, वीर नीरज बचरावनी के अलावा जैन मिलन महिला शाखा की पदाधिकारी उपस्थिति रहीं।

'...कर भला कर भला तेरा होगा भला'

ललितपुर। भजन संध्या में भजन सम्राट रामकिशोर मुखिया।

ललितपुर। ग्राम गौना में आयोजित शिव महापुराण कथा के समापन उपरांत रेडियो सिंगर बुन्देलखण्ड के सर्वमान्य लोक भजन गायक भजन सम्राट रामकिशोर यादव मुखिया की भजन संध्या आयोजित की गयी।

सात दिवसीय श्रीशिवमहापुराण के उपरांत लोक भजन संध्या आयोजित की गयी। पूर्व ग्राम प्रधान प्यारेलाल कुशवाहा, प्रधान दयाराम कुशवाहा व ठेकेदार सुन्दर कुशवाहा ने विधिवत भगवान शिव व माँ शारदा के चित्र सम्मुख दीप प्रज्वलित कर भजन संध्या का शुभारम्भ किया। आगंतुक कलाकारों का स्वागत किया गया। भजन गायक दिनेश विश्वकर्मा ने माँ भगवती व शिव की आरधना के साथ भजन संध्या का आगाज किया। बुन्देली भजन सम्राट रामकिशोर मुखिया ने एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुति दी। 'कर भला, कर भला, तेरा होगा भला' गीत को सभी ने साराहा। भजन संध्या में सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस दौरान सुखलाल कुशवाहा, प्यारेलाल कुशवाहा, प्रधान दयाराम कुशवाहा, ठेकेदार सुन्दर कुशवाहा, लखन कुशवाहा, विहारी लाल, भरोसे लाल, दिनेश विदुआ, रामशरण दीक्षित, प्रकाश नारायण निरंजन, प्रमोद सीरौठिया, लक्ष्मी चौधरी, राकेश उपाध्याय, राजपाल कुशवाहा, देवकरन कुशवाहा, छोटे यादव, संयम यादव, धर्मेन्द्र विदुआ, संदीप विदुआ, रामदेव तिवारी, अरविन्द सिंह, नरेश कुशवाहा, संदीप कुशवाहा, जगभान सिंह बुंदेला, भगवान सिंह परमार, गोपीराय, साहब सिंह, गोविन्द सिंह, गोविन्द दास बुनकर, आनंद किशोर कुशवाहा, नथू कुशवाहा, रामचरन मिश्रा, रविशंकर दुबे सहित अनेक ग्रामवासी व क्षेत्रीय श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा।

धारदार हथियार से बुजुर्ग महिला की हत्या का प्रयास

ललितपुर। कोतवाली महरौनी अंतर्गत ग्राम सैदपुर में दिल दहला देने वाली घटना में गाँव की 55 वर्षीय बुजुर्ग महिला गोरीबाई पत्नी मुकुंदी की धारदार हथियार हंसिया से गर्दन पर हमला किया गया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गयी। यह हमला घर में घुसकर किया गया। परिजनों की कहना है कि हमला चोरी की नीयत से घर में घुसे युवक ने किया है।

गंभीर रूप से घायल अवस्था में महिला को 108 एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महरौनी लाया गया, जहाँ से उसे ललितपुर रिफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही महरौनी पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले को संज्ञान में लिया। वहीं कोतवाली प्रभारी और क्षेत्राधिकारी महरौनी स्वयं सामुदायिक केंद्र पहुंचे और पीड़ित परिवार से बात की। महिला के परिजनों ने गाँव के ही युवक पंचू कुशवाहा पुत्र नंदराम उम्र 32 वर्ष पर हत्या और चोरी के प्रयास का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि पंचू कुशवाहा ने घर में घुसकर हत्या का प्रयास किया और साथ ही घर से सामान भी चुराने का प्रयास किया। फिलहाल पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है। आरोपी की तलाश में टीमें निकल गयी थीं। गाँव में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। कोतवाली पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दोषी को जल्द गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि घटना के हर पहलू की जांच की जा रही है, और जल्द ही सच्चाई सामने लाकर आरोपित को कानून के शिकंजे में लिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

डिजिटल प्रबंधन पर फोकस बढ़ाया

ललितपुर। डिजिटल प्रबंधन पर चर्चा करते जानकार।

ललितपुर। श्रीदीपचंद्र चौधरी महाविद्यालय में शनिवार को ईआरपी सॉफ्टवेयर पर एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। यह प्रशिक्षण व्यावसायिक सॉफ्टवेयर प्रणाली की जानकारी देने और तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का संचालन वैभव द्वारा किया गया। उन्होंने ईआरपी के विभिन्न मॉड्यूल जैसे छात्र सूचना प्रणालीए परीक्षा प्रबंधन, वित्तीय लेखा प्रणाली, पुस्तकालय प्रबंधन आदि पर व्यावहारिक सत्र आयोजित किए। तकनीकी विशेषज्ञ के सहयोगी नैन्सी, विशाल व अशोक ने भी सॉफ्टवेयर की बारीकियां समझायी। इस दौरान महाविद्यालय के प्रशासनिक स्टाफ़ तकनीकी सहायक एवं अन्य सहयोगी कर्मचारी बड़ी संख्या में सहभागी बने।

बसपा सुप्रीमो पर आपत्तिजनक टिप्पणी से आक्रोश

ललितपुर। बसपा सुप्रीमो का नाम लेकर गन्दे-गन्दे शब्दों व गालियों का प्रयोग कर अपमानित करने और भड़काऊ एवं उत्तेजनात्मक शब्दों का प्रयोग कर दंगा फसाद कराने की नीयत से सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किये जाने का प्रकरण प्रकाश में आया है। महरौनी विधानसभा से बसपा अध्यक्ष रामबगस पुत्र सुन्ना अहिरवार ने लिखित तहरीर थाना महरौनी पुलिस को दी है। विधानसभा अध्यक्ष रामबगस ने पुलिस को अवगत कराया कि बीती 31 जुलाई को रात करीब 9.05 बजे उसे सोशल मीडिया पर जानकारी हुयी कि एक व्यक्ति जिसका नाम पुराना सौजना रोड व हाल मान्यवर कांशीराम कालोनी महरौनी निवासी इमरत अहिरवार पुत्र बाबूलाल अहिरवार बताया गया है ने बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उ.प्र. की पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ नाम लेकर आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया है। आरोप यह भी है कि उक्त व्यक्ति द्वारा भड़काऊ व उत्तेजनात्मक शब्दों का प्रयोग किया गया है, जिससे शांतिपूर्ण समाज में दंगा फसाद हो। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने दंगा फसाद कराने की नीयत से यह कार्य किया है।

एडीएम बने प्रभारी अधिकारी नागरिक सुरक्षा

नागरिक सुरक्षा समिति ने नए डीएम को दी जानकारी

ललितपुर। ईओसी का निरीक्षण करते उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा।

ललितपुर। शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त जनपदों में नागरिक सुरक्षा विभाग की स्थापना कर नागरिक सुरक्षा के किया-कलापों को सुचारू रूप से चलाया जाना है। इसके लिये बीती शाम नागरिक सुरक्षा के कार्यालयाध्यक्ष/उप नियंत्रक जयराज तोमर द्वारा नवागत जिला मजिस्ट्रेट अमनदीप डुली से से शिष्टाचार भेंट कर नागरिक सुरक्षा की स्थापना एवं क्रिया-कलापों की जानकारी दी।

नागरिक सुरक्षा कोर की स्थापना के दृष्टिगत जनपद में कार्यो के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने एडीएम अंकुर श्रीवास्तव को प्रभारी अधिकारी नामित किया। उपनियंत्रक ने ईओसी का अवलोकन किया। आपदा विशेषज्ञ ने सम्पूर्ण वस्तुस्थित से अवगत कराते हुये आह्वान किया कि नागरिक सुरक्षा नगर झाँसी से नागरिक सुरक्षा की टीम माह में कम से कम दो दिन ललितपुर आकर प्रशिक्षण एवं अन्य नागरिक सुरक्षा कार्यो के सम्बन्ध में मार्गदर्शन दें। इस दौरान सहायक उपनियंत्रक सुनील कुमार सिंह व आपदा विषेशज्ञ आरती सिंह मौजूद रहीं।

दबंगई : भू-कारोबारी ने की फायरिंग, वीडियो वायरल

ललितपुर। शहर के चर्चित भू-व्यवसायी नरेंद्र जैन कड़की का एक फायरिंग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में उन्हें भीड़ के बीच लाइसेंसी हथियार से तीन राउंड फायरिंग करते हुए साफ देखा जा सकता है। यह घटना नागपंचमी के दिन, 29 जुलाई 2025 को जैन वीर व्यायामशाला, मऊठाना की बतायी जा रही है, जहाँ बड़ी संख्या में लोग और बच्चे उपस्थित थे। वीडियो के आधार पर उपनिरीक्षक सुशील कुमार त्रिपाठी ने स्वतः संज्ञान लेकर एफआईआर संख्या 0868 दर्ज की है। इसमें भारतीय न्याय संहिता धारा 125, आयुध अधिनियम धारा 30, और आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम धारा 7 के अंतर्गत अपराध माना गया है। जैन बुजुर्गों का कहना है कि अहिंसा का प्रतीक धर्म और संयम का मार्गदर्शन करने वाली तस्वीर के सामने हथियार चलाना सिर्फ एक अपराध नहीं, पूरे समाज के आत्मसम्मान को ललकारने जैसा है। अब समय आ गया है कि समाज इस प्रकार के दबंगो को खारिज किया जाये जो झूठ, भय और अहंकार के सहारे खुद को स्थापित करने की कोशिश करते हैं।

जैन धर्मावलम्बियों को यह पीड़ादायक है कि यह फायरिंग आचार्यश्री विद्यासागर महाराज की उस तस्वीर के समक्ष की गई, जिनके विचारों और त्याग से दुनियाभर में लाखों लोग अहिंसा और संयम के पथ पर अग्रसर हुए हैं। यह कृत्य न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि धार्मिक मर्यादा और आचार्यश्री के प्रति आस्था का अपमान है। आचार्यश्री के शान्त भाव के समक्ष गोलियों की तड़तड़ाहट जैन धर्म ही नहीं, मानवता की भी अवमानना है।

गली-गली में गंदगी : मंत्री का काफिला रोककर जताया आक्रोश

■ मड़ावरा में पानी की टंकी गली में कचरे से त्रस्त लोगों की नाराजगी

■ सीडीओ पर फेंकी गयी शिकायती चिट्ठी, सीडीओ ने वापिस की

ललितपुर। मड़ावरा की गलियों में जमा गन्दगी।

ललितपुर। मड़ावरा कस्बा में वर्षों से व्याप्त गंदगी और अतिक्रमण की समस्या से आक्रोशित नागरिकों ने अपनी नाराजगी का खुलकर इजहार किया।

शुक्रवार को स्थानीय विधायक और राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ का काफिला मुख्य बाजार से होकर निकल रहा था। पानी की टंकी गली के पास मुख्य बाजार में स्थित यह गली आजकल सड़े-गले कचरे, प्लास्टिक, सब्जी अवशेष और मल-मूत्र जैसी गंदगी से भर चुकी है। गली से गुजरना तो दूर, वहां खड़ा होना भी मुश्किल होता है। लोग मुंह ढककर निकलने को मजबूर हैं। स्कूली बच्चे भी गंदगी का देश झेल रहे हैं।

राज्यमंत्री जब मड़ावरा ब्लॉक सभागार में आयोजित संपूर्ण अभियान सम्मान समारोह एवं आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम में शामिल होकर ललितपुर मुख्यालय लौट रहे थे, तब नाराज मोहल्लेवासियों ने मुख्य चौराहे पर जाम लगाकर उनका काफिला रोक लिया। गुस्साए लोगों ने मंत्री को गंदगी से लथपथ गली में चलकर हालात दिखाने की जिद की। शुरुआत में राज्यमंत्री ने वीडियो बनाए जाने पर आपत्ति जताई और कहा कि अगर वीडियो बनाया तो गली में नहीं जाऊंगा। लेकिन जब भीड़ बढ़ी और माहौल गरमाने लगा तथा जाम से आवागमन रुक गया तो राज्यमंत्री को गाड़ी से उतरना ही पड़ा। राज्यमंत्री जब गली में पहुँचे तो उन्होंने खुद देखा कि वहां कई कुंतल कचरा, सड़ी-गली सब्जियां, पन्नियां और गंदगी का अंबार है। बदबू से खुद मंत्री हतप्रभ रह गये। लोगों ने बताया कि गली में अवैध निर्माण कर आम रास्ता कब्जाया गया है, और वही मकान मालिक सब्जी विक्रेताओं से पैसे लेकर दुकानें लगवाते हैं। जबकि कस्बे में लाखों रुपये की लागत से बनी सब्जी मंडी पूरी तरह खाली रहती है। वहां टीनशेड, पानी और दुकान के लिए पर्याप्त स्थान होने के बावजूद सब्जी विक्रेता मुख्य सड़क पर कब्जा किए हैं। जिससे आए दिन ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाएं होती हैं। बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद पुलिस शिकायतकर्ताओं को ही डरा-धमका कर चुप करा देती है। मड़ावरा पुलिस ने पहले एक बार कार्यवाही की थी, जिसके चलते दुकानदार मंडी में चले गए थे, लेकिन अब ढुलमुल रवैये के कारण पुनः वापस आकर अतिक्रमण बढ़ा रहे हैं। गली की हालत देखकर मंत्री ने मौके पर ही सीडीओ को फोन कर सफाई कराने के निर्देश दिये। लेकिन ब्लॉक के बीडीओ रमेशचंद्र यादव, कार्यक्रम में से मौके पर नहीं पहुंचे। मड़ावरा पुलिस थाने से भी कोई पुलिस कर्मी नहीं आया।

कहाँ जाता है नगर पंचायत का धन

लोगों ने सवाल उठाया है कि जब मड़ावरा जैसी बड़ी ग्राम पंचायत में साफ-सफाई के नाम पर हर साल लाखों रुपये जारी होते हैं, तो फिर वह पैसा कहां जा रहा है? क्या ये बजट केवल गुलदस्ते और सम्मान समारोहों में फोटो खिंचवाने के लिए है?

सीडीओ ने फेंकी शिकायत, ड्राइवर पर महिलाओं को धक्का देने का आरोप

गौरतलब है कि इससे कुछ देर पहले कार्यक्रम स्थल पर ही मोहल्लेवासियों ने मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान को लिखित शिकायत सौंपी थी, जिसे सीडीओ ने बिना पढ़े ही फेंक दिया। लोगों ने जब सीडीओ की गाड़ी रोकने की कोशिश की, तो ड्राइवर ने महिलाओं को धक्का देते हुए गाड़ी नहीं रोकी, और बिना रुके चला गया। इससे आक्रोशित होकर लोग मंत्री की गाड़ी को रोककर उसके आगे अड़ गए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनी फरियाद

चित्रकूट। डीएम को समस्या सुनते पीडित ।

चित्रकूट। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में तहसील सभागार कर्वी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में तहसील सभागार कर्वी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों से संबंधित अधिकारियों से कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर त्वरित स्थलीय निरीक्षण कर शासन की मंशा के अनुरूप व निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी एंव पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जमीन संबंधित समस्या को पुलिस एवं राजस्व की संयुक्त टीम बनाकर स्थलीय निरीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण कराया जाए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रभागीय वनाधिकारी प्रत्युष कुमार, उपजिलाधिकारी सदर पूजा साहू, क्षेत्राधिकारी नगर अरविन्द कुमार वर्मा सहित तहसीलदार, प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र प्रताप सिंह, प्रभारी निरीक्षक भरतकूप मनोज कुमार उपस्थित रहें। वही अपर पुलिस अधीक्षक ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखकर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जाता है, उन समस्याओं के निस्तारण से समस्या ग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया। उन्होने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर त्वरित निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

गुरूवार को लगेगा समाधान दिवस

चित्रकूट। सचिव चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण राकेश कुमार पाठक ने बताया कि बृहस्पतिवार को मानचित्र समाधान दिवस का आयोजन अपरान्हः 01 बजे से 5 बजे तक प्राधिकरण कार्यालय में किया जायेगा। अगस्त में 07, 14, 21 एवं 28 को आयोजित समाधान दिवस में सभी सम्बंधित भवन मानचित्र प्रस्तुतकर्ता, सम्बंधित विभाग एवं सभी अनुज्ञा प्राप्त मानचित्रकार/आर्किटेक्ट उपस्थित रहेगे।

चाइल्ड ट्रैफिकिंग डे पर रेलवे स्टेशन में भव्य जागरूकता मार्च, बाल सुरक्षा के लिए उठे कदम

चित्रकूट। रेलवे स्टेशन मे जागरूकता अभियान मे शामिल संयुक्त टीम।

चित्रकूट। अंतर्राष्ट्रीय चाइल्ड ट्रैफिकिंग डे के मौके पर रेलवे स्टेशन परिसर में जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन अलायंस की सहयोगी संस्था जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति ने रेलवे सुरक्षा बल चाइल्ड लाइन और स्टेशन मास्टर के सहयोग से एक जागरूकता मार्च का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल तस्करी के खिलाफ आमजन को सतर्क करना और बच्चों की सुरक्षा के लिए समाज को जागरूक बनाना है।

कार्यक्रम समन्वयक आदित्य मिश्रा ने रेलवे स्टेशन में लोगों को विश्व मानव दुर्व्यपार दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को लोगों को मानव तस्करी के बारे में जागरूक करने को यह दिवस मनाया जाता हैं। ÷रेलवे स्टेशन पर बाल तस्करी की घटनाएं रोकने के लिए सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। जन सहयोग से ही इस पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। मार्च के दौरान स्टेशन पर पोस्टर, बैनर और पंपलेट के माध्यम से लोगों को बाल तस्करी की पहचान और उससे बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई। यात्रियों को बताया गया कि यदि किसी बच्चे की गतिविधि या स्थिति संदिग्ध लगे, तो तुरंत 1098 (चाइल्डलाइन) या रेलवे पुलिस को 18001027222 पर सूचित करें। बाल श्रम के लिए ले जाए जा रहे 12 नाबालिग बच्चों को जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन एलायंस की सहयोगी संस्था जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति, ने रेलवे पुलिस और चाइल्डलाइन टीम की सक्रियता से रेस्क्यू किया। यह रेस्क्यू अभियान ट्रेन के रास्ते में आने वाले चित्रकूट रेलवे स्टेशन पर एक जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन अलायंस की सूचना के आधार पर किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ये बच्चे 12 से 16 वर्ष की उम्र के हैं और इन्हें कपड़ा मिलों तथा कारखानों में काम कराने के उद्देश्य से सूरत और अहमदाबाद भेजा जा रहा था। जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति के सचिव शंकर दयाल का कहना है कि यह घटना बाल तस्करी की गंभीर स्थिति को उजागर करती है।

न्यूज ब्रीफ

लगातार बारिश से देखने को मिल रहा कही खुशी, कही गम

मऊरानीपुर (झाँसी) लगातार हुयी मूसलाधार बारिश से जहाँ देखों वहाँ पानी ही पानी देखने को मिल रहा है। जिसमें बारिश से लोग जलमग्न होते देखने को मिल रहे है। जिसमें तहसील मऊरानीपुर में रुक रुक कर बारिश हो रही है। जिससे गर्मी से लोगों ने काफी राहत की साँस ली है। आपको बता दे कि जून में तो कम बारिश हुयी लेकिन जुलाई में अधिक बारिश हुयी है। जबकि अगस्त के शुरुआती दौर में प्रत्येक दिन इससे अधिक बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है। लगातार रुक रुक कर बारिश होने से कुछ किसानों के चेहरों पर मुस्कान दिखायी दे रही तो वही कुछ किसान व कच्चे मकानों पर इसका गहरा प्रभाव पड रहा है। जिसमें बराबर कच्चे मकान भरभरा रहे है। इसी के चलते बारिश से कही खुशी तो कही गम देखने को मिल रहा है।

टीकाकरण करने की शहर काजी व ब्लाक प्रमुख ने की अपील

चरखारी महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। शहर काजी हफीज इमरान ने समस्त नागरिकों से अपील कि जानलेवा बीमारियों जैसे टिटनेस, डिप्थीरिया (गलघोंटू) से बचाव के लिए सरकार द्वारा माह अगस्त 2025 में 1 अगस्त से 31 अगस्त तक विश्व टीकाकरण सप्ताह टी. डी. टीकाकरण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है अपने 10 वर्ष और 16 वर्ष के सभी बच्चों को टीका जरूर लगवाए । ब्लाक प्रमुख सीमा जयराम कुशवाहा ने कहां टी. डी. अभियान स्कूल बेस्ड (सभी सरकारी, प्राइवेट स्कूल) में संचालित किया जायेगा जिस से जानलेवा बीमारियों टिटनेस, डिप्थीरिया (गलघोंटू) से बचाव का टीका नि- शुल्क लगाया जायेगा । ताकि उन्हे उपरोक्त बीमारियों से बचाया जा सके। यह टीके पूरी तरह सुरक्षित है। यूनिसेफ ब्लाक कोऑर्डिनेटर वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम हमारा सुनिश्चित हो चुका है और समय से सभी बच्चों को टीकाकरण करने की व्यवस्था पूर्ण कर ली गई है ।

ड्यूटी और वेतन को लेकर परेशान होमगार्ड ने डीएम से की शिकायत, जिला कमांडेंट पर लगाए उत्पीड़न के आरोप

महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। जिले के एक होमगार्ड ने खुद पर लगे बलात्कार के झूठे आरोपों से निजात मिलने के बावजूद चार माह से ड्यूटी और वेतन न मिलने को लेकर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा है। होमगार्ड जगभान ने डीएम को दिए गए पत्र में बताया कि जिला होमगार्ड कमांडेंट द्वारा उन्हें एक नोटिस जारी किया गया था, जिसमें एक महिला की शिकायत के आधार पर बलात्कार का गंभीर आरोप लगाया गया था ।जगभान बताता है कि उन्होंने इस मामले की सच्चाई जानने के लिए स्थानीय थाने में संपर्क किया, जहां जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि महिला द्वारा लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं और कोई मुकदमा पंजीकृत नहीं किया गया है। बावजूद इसके, उन्हें ड्यूटी से वंचित रखा गया और उनका वेतन भी रोक दिया गया। होमगार्ड का आरोप है कि जिला कमांडेंट द्वारा ड्यूटी पर वापस लेने के एवज में उनसे 40 से 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही है, जिसे देने में वह असमर्थ हैं। जगभान ने कहा कि चार महीने से ड्यूटी न मिलने के कारण उनका पूरा परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। अवशेष वेतन भी नहीं मिल पा रहा है जिससे उनके बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है ।उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब एक साजिश के तहत किया जा रहा है, ताकि उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा सके और रिश्वत देने के लिए मजबूर किया जा सके। जगभान ने डीएम समेत जिला पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और उन्हें शीघ्र ड्यूटी पर बहाल करते हुए रोका गया वेतन भुगतान किया जाए। साथ ही जिला कमांडेंट के खिलाफ भी जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल इस मामले को लेकर जिला प्रशासन की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन पीड़ित होमगार्ड का आरोप अगर सही पाया गया, तो यह न सिर्फ एक प्रशासनिक लापरवाही होगी, बल्कि भ्रष्टाचार और उत्पीड़न का भी गंभीर मामला बन सकता है।

विकास भवन मे चल रहे धरना को डीएम ने कराया समाप्त

चित्रकूट। किसानो के साथ वार्ता करते डीएम।

चित्रकूट। जनपद में अन्ना प्रथा, डीएपी की उपलब्धता, विद्युत, चकबंदी, बंदरों की समस्या, फसल बीमा योजना आदि को लेकर किसान भाइयों द्वारा विकास भवन में चल रहे धरना प्रदर्शन को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने किसान भाइयों के साथ विकास भवन के सभागार में वार्ता की गई।

जिलाधिकारी ने अन्ना पशुओं के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि जो पशु बाहर अवशेष रह गए हैं उन्हें सभी उप जिलाधिकारी व खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित करें कि अपने-अपने क्षेत्र में शत प्रतिशत पशु गौशाला में होना चाहिए पशुओं द्वारा किसानों का नुकसान नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने किसान भाइयों से कहा कि मंगलवार तक गौवंश अपने गौशाला में रहेंगे। बिजली की समस्या को लेकर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि जो शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइन है उसी के अनुसार विद्युत दिया जाए जिससे कि किसानों का फसलों को नुकसान न होने पाए एवं समय से फसलों की सिंचाई हो सके। उर्वरक की उपलब्धता के संबंध में जिलाधिकारी ने किसान भाइयों से कहा कि जितना स्टाक आता है समय-समय पर वितरण कर दिया जाता है, डीएपी की स्टॉक आते ही सहकारी समितियां पर उपलब्ध करा दिया जाएगा जिससे कि किसानों को समस्या नहीं होगी,

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, प्रभागीय बना अधिकारी प्रत्यूष कटिहार, अपर जिलाधिकारी उमेश चंद्र निगम, अपर उप जिलाधिकारी राकेश कुमार पाठक, उप कृषि निदेशक राजकुमार किसान यूनियन अध्यक्ष राम सिया पटेल उपस्थित रहे।

काँवड यात्रा निकाले जाने को लेकर हुयी बैठक, काँवड भव्य यात्रा कल

मऊरानीपुर (झाँसी) श्रावण मास के अन्तिम दिनों में भी काँवडियों का दौर बराबर जल लेने जाने को देखा जा रहा है। जिसको लेकर एक चौमुखी माता मन्दिर पर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुयी। जिसमें कल 4 अगस्त को भव्य काँवड यात्रा निकाले जाने का उचित निर्णय लिया गया। जिसमें काँवड यात्रा देवरीघाट से पैदल चलकर आयेगी और चौमुखी माता मन्दिर स्थित भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक करेगी। काँवर यात्रा में करीब 500 काँवडियों के शामिल होने की सम्भावना है। इसके बाद भव्य भण्डारे का आयोजन होगा। इस मौके पर बैठक में देवेन्द्र चतुर्वेदी, मनी अग्रवाल, धर्मेश महाराज (मन्दिर पुजारी), हनी अग्रवाल, रिषभ अग्रवाल, हेमन्त झा, वीरु साहू, राहुल, गोलू, शोभित अग्रवाल, रज्जू, यश अग्रवाल, सनी अग्रवाल, विनायक अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल, यश झा, तनीष बिलैया, रेशु सेन, अज्जू नगरिया आदि समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नाले में पानी निकासी न होने से प्रधान ने की सफाई, लोगों ने की सराहना

मऊरानीपुर (झाँसी) मूसलाधार बारिश के चलते नदी, नाले , तालाब सब उफान पर देखे जा रहे है। जिसमें तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम मऊदेहात में निकले नाले में पानी रुक जाने से निकास बन्द हो गया था। जिसको लेकर खुद ग्राम प्रधान मऊदेहात गुड्डू मिस्त्री नाले में उतरे और सफाई कार्य में लग गये। जो बराबर चर्चा का विषय बना रहा है। ग्राम प्रधान के सराहनीय कार्य से बराबर लोगों में चर्चायें देखने को मिली। ग्राम प्रधान मऊदेहात के द्वारा अपनी पूरी मेहनत लगन से नाले को खोलकर गन्दा पानी निकाले जाने से लोगों ने राहत की साँस ली।

मूसलाधार बारिश से रिपटे से निकला पानी, चालक जान जोखिम में डालकर निकालते रहे वाहन

मऊरानीपुर (झाँसी) मूसलाधार बारिश का कहर उस समय देखने को मिला। जब लगातार बारिश से लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त देखने को मिला। तो वही गौरव गेस्ट हाउस के रिपटे से एवं सुखनई नदी पुल के रिपटे के ऊपर पानी के निकलने से बराबर लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का जहाँ सामना करना पडा। तो वही लोग अपनी जान जोखिम में डालते हुये बारिश के तेज बहाव के रिपटे से निकलते हुये जोरदार देखने को मिले। जिसमें प्रशासन की नाकामी कही न कही सवालों के घेरे में देखने को मिली। कारण कि जब रिपटे से पानी तेज बहाव के चलते बह रहा है तो स्थानीय प्रशासन इस ओर से अनभिज्ञ क्यों बना रहा। इस मूसलाधार बारिश के चलते हर एक नदी, तालाब रिपटा पर प्रशासन की कडी निगरानी रहना चाहिये। जिससे कि कोई भी अप्रिय घटना कतई घटित न हो। इस ओर स्थानीय प्रशासन का गम्भीरता पूर्ण तरीके से ध्यान आकृष्ट कराया गया।

ढिमलौनी क्षेत्र की सडकों की हालत जर्जर

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील मऊरानीपुर के अन्तर्गत आने वाले ग्राम पंचायत ढिमलौनी क्षेत्र जहाँ से बारिश के चलते पैदल एवं वाहनों का निकलना दुर्लभ स्थिति दशा रहा है। जिस पर शासन प्रशासन की नजर एक दम बाहर का रास्ता देखते हुये देखा जा रहा है। जिसमें आपको बता दे कि जो ढिमलौनी क्षेत्र की गली गली की दशा दयनीय रुप ले रही है। जिस ओर तत्काल ध्यान देतें हुये ढिमलौनी क्षेत्र की सडकों को सही रुप देना चाहिये। लेकिन चाहे ग्राम प्रधान हो चाहे प्रशासन हो सब उदासीनता को दिखा रहा है। कारण कि इस ओर किसी की नजर ही नही पड रही है। या नजर पडने के बाद भी इस पर कोई ध्यान आकृष्ट नही किया जा रहा है। जिसमें आपको अवगत कराते हुये बताया जा रहा है जिसकी दशा तो शासन प्रशासन को अतिशीघ्र देखने की आवश्यकता है। जहाँ पर गहरे- गहरे गड्डे सडक उखडी पडी है। जहाँ पर बारिश होने पर निकलना भी दुलर्भ स्थिति को दर्शाता हुआ देखा जा रहा है। तो वही गड्डों की गहराई को देखते हुये वाहनों के गिरने का डर मडराता रहता है। जिससे किसी भी दिन कोई बडी घटना घटित हो सकती है। इस सम्बन्ध में शीघ्र अतिशीघ्र शासन प्रशासन को इस ओर ध्यान आकृष्ट करते हुये सडक ठीक कराने और गड्डा मुक्त करने के साथ ठीक ढंग से सुचारु रुप देने की माँग की गयी।

ओरछा से चरखारी जा रही काँवड यात्रा का तहसील मऊरानीपुर क्षेत्र में जगह जगह हुआ भव्य स्वागत

मऊरानीपुर (झाँसी) श्रावण मास के चलते आखिरी दिनों में काँवडियों की यात्रायें बराबर देखने को मिल रही है। जिसमें आपको बता दे कि नीरज कुमार सोनी के नेतृत्व में ओरछा से चरखारी की ओर जा रहे लगभग 50 काँवडियों को पुलिस की चाक चौबन्द व्यवस्था में गन्तव्य के लिये बॉर्डर पार कराया गया। जिसकी पेट्रोलिंग कर रहे काँवडियां संघ मऊरानीपुर के अध्यक्ष शरद चन्द्र द्विवेदी एवं मनोज मिश्रा के द्वारा रात्रि मे काँवडियों को मरम पट्टी एवं दवायें वितरित की गयी। वही सकरार थाना, रानीपुर चौकी ,मऊरानीपुर कोतवाली एवं यातायात पुलिस मऊरानीपुर, देवरी चौकी पुलिस ने काँवडियों की सुरक्षा व्यवस्था के साथ व्यवस्थायें चाक चौबन्द रखते हुये जोरदार स्वागत किया। जिनमें देवरी चौकी प्रभारी दीपक तोमर एवं यातायात प्रभारी रामसजीवन रावत ने अपनी टीम के साथ काँवडियों को बॉर्डर पार कराते हुये स्वागत किया। और उन्हें ससुरक्षित समीपवर्ती प्रदेश मध्य प्रदेश क्षेत्र के लिये रवाना किया। वही 4 अगस्त को मनी अग्रवाल एवं ऋषभ अग्रवाल के नेतृत्व में लगभग 300 काँवडियां देवरी से चौमुखी माता मन्दिर स्थित भोले नाथ पर जलाभिषेक करेगें। तो वही 6 अगस्त श्रावण मास के अन्तिम प्रदोष को लगभग 200 काँवडियाँ अशोक कुमार गुप्ता एवं शरद चन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में देवरी से पंचमुखी महादेव मन्दिर कटरा स्थित भोलेनाथ का जलाभिषेक करेगें। जिनके लिये उपजिलाधिकारी प्रदीप कुमार सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार सिंह ,कोतवाली प्रभारी विधा सागर सिंह , देवरी चौकी प्रभारी दीपक तोमर , यातायात प्रभारी रामसजीवन रावत सहित प्रशासनिक अमला एवं पुलिस फोर्स व्यवस्थाओं में चाक चौबन्द रहेगा।

लगातार बारिश से देखने को मिल रहा कही खुशी, कही गम कुछ किसानों के चेहरों पर मुस्कराहट तो वही कच्चे मकानों में रह रहे लोगों पर है मुसीबत के बादल

मऊरानीपुर (झाँसी) लगातार हुयी मूसलाधार बारिश से जहाँ देखों वहाँ पानी ही पानी देखने को मिल रहा है। जिसमें बारिश से लोग जलमग्न होते देखने को मिल रहे है। जिसमें तहसील मऊरानीपुर में रुक रुक कर बारिश हो रही है। जिससे गर्मी से लोगों ने काफी राहत की साँस ली है। आपको बता दे कि जून में तो कम बारिश हुयी लेकिन जुलाई में अधिक बारिश हुयी है। जबकि अगस्त के शुरुआती दौर में प्रत्येक दिन इससे अधिक बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है। लगातार रुक रुक कर बारिश होने से कुछ किसानों के चेहरों पर मुस्कान दिखायी दे रही तो वही कुछ किसान व कच्चे मकानों पर इसका गहरा प्रभाव पड रहा है। जिसमें बराबर कच्चे मकान भरभरा रहे है। इसी के चलते बारिश से कही खुशी तो कही गम देखने को मिल रहा है।

वाहनों का पार्किंग स्थल बना सरकारी अस्पताल

चरखारी (महोबा) संवाददाता राम लखन सोनी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चरखारी इन दिनों प्राइवेट वाहनों के लिए पार्किंग स्थल बना हुआ है जहां पूरे परिसर में आस पास के निवासियों सहित मेडिकल स्टोर के संचालकों के एक दर्जन ने से अधिक चार पहिया' तीन पहिया वाहनों से पटा दिखाई देता है। यहां तक कि उपजिलाधिकारी द्वारा प्राइवेट वाहनों की इस पार्किंग पर आपत्ति दर्ज करते हुए स्टाफ को फटकार भी लगायी थी लेकिन इसके भी पार्किंग बन्द नहीं हुई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डाक्टरर्स की मिलीभगत या वाहन स्वामियों की दबंगी जो भी हो लेकिन विगत कई माह से सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र परिसर पूरी तरह से प्राईवेट वाहनों का पार्किंग स्थल बना हुआ है। जहां आस पास के निवासियों के अलावा अस्पताल के सामने स्थित मेडिकल स्टोर के संचालकों के चार पहिया व दो पहिया वाहनों का अम्बार चौबीसों घंटे देखा जा सकता है। अस्पताल के डाक्टर्स व स्टाफ तथा अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए वाहन पार्किंग के लिए बना टीन शेड के अलावा पूरे परिसर में वाहनों को जमावड़ा रहता है। स्टाफ व मरीजों के वाहनों के लिए बना टीन शेड केवल बाहरी लोगों की पार्किंग स्थल में तब्दील हो चुका है। महिनों से अस्पताल में भारी संख्या में वाहनों के चौबीसों घंटे खड़े रहने से मरीजों' मरीजों के वाहनों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। यहां तक कि डाक्टर व स्टाफ के लोग भी अपने वाहन टीन शेड के नीचे खड़ा नहीं कर पा रहे हैं। विगत दिवस उपजिलाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार ने अस्पताल के निरीक्षण के दौरान अवैध पार्किंग पर नाराजगी व्यक्त की थी तथा

एसडीएम की फटकार के बाद भी अस्पतला परिसर की पार्किंग नही हुई बन्द

स्टाफ को फटकरार लगाते हुए तत्काल अवैध पार्किंग को बन्द करते हुए वाहनों को बाहर का रास्ता दिखाने के निर्देश दिए थे लेकिन इसे वाहन स्वामियों की दबंगी कहें या स्टाफ की मिलीभगत' एसडीएम के निर्देश के बाद भी अवैध पार्किंग बन्द नहीं हुई है। एसडीएम के आदेश के बाद भी अवैध पार्किंग खाली न होने पर दबी जबान से स्टाफ के ही कुछ लोगों का कहना है कि जब तक महीना पूरा नहीं होता तब तक इन वाहनों को नहीं हटाया जाएगा।

विशाल कांवड़ यात्रा निकली, योगी सरकार ने कराई हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा

■ ओरछा से जल लेकर सिद्धेश्वर मंदिर पर जलाभिषेक करने पहुंचे श्रद्धालु ■ शिव भक्तों के साथ ही कई सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता भी कांवड़ यात्रा का बने हिस्सा

■ एमपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने पुष्पवर्षा के लिए की सीएम योगी की तारीफ

झांसी जयूसं। शनिवार को ओरछा से प्रारम्भ होकर ओरछा तिगैला, अग्रसेन चौराहा, बस स्टैण्ड, कचहरी चौराहा, जेल चौराहा, इलाइट चौराहा होते हुए झांसी के सिद्देश्वर मन्दिर तक पहुंची विशाल कांवड़ यात्रा में हजारों की संख्या में लोग सम्मिलित हुए। इस कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में पुरुष कांवड़ यात्रियों के साथ महिलाएं सिर पर कलश लेकर शामिल हुईं। योगी सरकार की ओर से भेजे गए विशेष हेलीकॉप्टर में सवार होकर पुलिस और प्रशासन ने इस कांवड़ यात्रा पर पुष्पवर्षा की तो जगह-जगह स्थानीय निवासियों और पुलिसकर्मियों ने कांवड़ यात्रियों पर पुष्प बरसाए। महानगर में प्रवेश करने के बाद जब कांवड़ यात्रा एसएसपी कार्यालय के सामने पहुंची तो यहां तैनात पुलिसकर्मियों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए और कांवड़ यात्रियों का स्वागत किया।

मध्य प्रदेश के ओरछा से शुरू होकर कांवड़ यात्रा झांसी के सिद्धेश्वर मंदिर पहुंची। इस बीच जगह-जगह कांवड़ियों का स्वागत किया गया। कांवड़ यात्रा के दौरान इलाइट चौराहे पर कांवड़ियों का सम्मान और उन पर पुष्पवर्षा की गई।

कांवड़ यात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। दरअसल पिछले दिनों सीएम योगी से मुलाकात में सीएम योगी आदित्यनाथ से झांसी के जन प्रतिनिधियों ने कांवड़ यात्रा पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की मांग की थी। इस पर सीएम ने लखनऊ से विशेष हेलीकॉप्टर झांसी भेजा। डीएम मृदुल कुमार चौधरी, एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति हेलीकॉप्टर में सवार हुए और इलाइट चौराहा, सिद्धेश्वर मंदिर समेत कई स्थानों पर इस कांवड़ यात्रा पर पुष्पवर्षा की गई। कांवड़ यात्रा का समापन सिद्धेश्वर मंदिर पर हुआ और यहां जलाभिषेक किया गया।

कांवड़ यात्रा में शामिल एमपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा कि योगी जी ने जो पुष्पवर्षा कराई है, संपूर्ण शिवभक्तों की ओर से उनका अभिनंदन करती हूँ। यह यात्रा ओरछा से शुरू हुई। संजीव श्रृंगीऋषि इसके संयोजक हैं।

बुंदेलखंड कांवड़ यात्रा समिति झांसी की ओर से आयोजित इस विशाल कांवड़ यात्रा में पूर्वकेन्द्रीय मंत्री भारत सरकार एवं एमपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेई, बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा, गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, रोहित गोठन कर , संजीव अग्रवाल लाला, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मुकेश मिश्रा मनोज गुप्ता, निवर्तमान जिलाध्यक्ष अशोक गिरि , बन्देलखण्ड कांवड़ यात्रा समिति झांसी के अध्यक्ष संजीव श्रृंगीऋ षि समेत हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

मानव विकास संस्थान ने डॉ. संदीप को किया सम्मानित

झाँसी जयूसं। मानव विकास संस्थान के तत्वाधान में इजी. पी.एन. गुप्ता की अध्यक्षता, संस्थान राष्ट्रीय कन्वीनर अशोक अग्रवाल काका के सानिध्य, कोर कमेटी चेयरमैन डॉ.ध्रुव सिंह यादव , वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन कमीशन में उनकी नियुक्ति नेशनल वाइस प्रेसीडेंट पद पर किये जाने तथा भारत गौरव रत्न श्री सम्मान अवार्ड से सम्मानित किये जानेआज डॉ संदीप सरावगी का सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। आरम्भ में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन मातृशक्ति द्वारा करते हुए कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ वन्दे मातरम् गायन से किया गया। सम्मान समारोह में कोर कमेटी चेयरमैन डॉ. ध्रुव सिंह यादव, अजय कुमार सिंह राठौर, धर्मेन्द्र खटीक, अभिषेक देव, संदीप नामदेव, राजू सेन, सुशांत गेडा, अरुण पांचाल, राहुल रायकवार, जेबा, सुमित कुशवाहा, अभिषेक गोस्वामी, पूजा मल्होत्रा, राकेश अहिरवार, आशीष विश्वकर्मा, दीक्षा साहू, बसंत गुप्ता, आनंद चौहान आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। संचालन समन्वयक पूजा मल्होत्रा ने व सभी का आभार मानव विकास संस्थान के सचिव अनिल कुमार साहू ने व्यक्त किया।

राष्ट्रकवि की जयन्ती पर बाल कवि सम्मेलन सम्पन्न

झाँसी जयूसं। पं. विश्वनाथ शर्मा हिन्दू धर्मार्थ न्यास द्वारा संचालित रानी लक्ष्मीबाई पब्लिक स्कूल, झाँसी में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के सम्मान में बाल कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्याम शरण नायक -स्थानीय कवि एवं समाजसेवी तथा निर्णायक मंडल ने माँ सरस्वती एवं राष्ट्रकवि गुप्त व आर.एल.पी.एस. के संस्थापक कीर्तिशेष पं. विश्वनाथ शर्माके चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। निर्णायक मण्डल के रूप में विद्यालय के विद्यार्थियों के अभिभावक संघ से श्रीमती लक्ष्मी पाठक -अध्यापिका, श्रीमती पूजा चौधरी -अध्यापिका एवं श्रीमती सुधा -अध्यापिका उपस्थित रहीं। इस बाल कविगोष्ठी में बाल कवियों ने सामयिक विषयों पर अपनी कवितायें सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि सम्मेलन में वरिष्ठ वर्ग में आयुष्मान थापक -कक्षा 9द को प्रथम, साक्षी अग्रवाल -कक्षा 11अ को द्वितीय स्थान तथा वनिष्का केशवानी -कक्षा 9ब को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं कनिष्ठ वर्ग में अथर्व चर्तुवेदी -कक्षा 8अ को प्रथम, निपुण अग्रवाल -कक्षा 7ब को द्वितीय तथा अर्थव बबेले-कक्षा 8अ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अतिथियों द्वारा विजेता बाल कवियों सहित कार्यक्रम में भाग लेने वालेविद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कविताओं की प्रशंसा की। विद्यालय के चेयरमैन पं. अनुराग शर्मा व प्रबन्ध न्यासी श्रीमती शालिनी भार्गव के प्रयासों से प्राप्त सफलता, दूरदर्शिता और बौद्धिक क्षमता की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि व निर्णायक मण्डल के सभी सदस्यों को विद्यालय का स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया । कार्यक्रम का संचालन यशवर्धन मिश्रा -कक्षा 9स एवं आलिया -क्षा 9ब द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी

बीज से बाजार तक किसान के साथ है सरकार : प्रधानमंत्री

■ किसानों को सशक्त करने की दिशा मेंऐतिहासिक कदमः कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह

झाँसी जयूसं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेआज वाराणसी जनपद के सेवापुरी स्थित बनौली में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त का लोकार्पण किया । इस अवसर पर देश के 9.7 करोड़ किसानों को डीबीटी के माध्यम से 20,500 करोड़ की राशि सीधेउनके खातों मेंअंतरण की गई।

रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के बहुउद्देश्यीय सभागार मेंइस कार्यक्रम का ऑनलाइन से सीधा प्रसारण कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में किसानों को दिखाया गया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में झाँसी जनपद के ग्राम गांधीनगर, रौनीजा एवं बिरगुवां के 50 महिला एवं पुरुष किसान उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों की आर्थिक सुदृढ़ता की आधारशिला है। यह पहल न केवल कृषकों को त्वरित वित्तीय सहायता प्रदान करती है, बल्कि उन्हेंआत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित भी करती है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि किसान भाइयों को वैज्ञानिक समाधान एवं तकनीकी जानकारी प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाया जाए। कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉ. एस.के. चतुर्वेदी, कृषि संकाय अधिष्ठाता डॉ. आर.के. सिंह, उद्यानिकी एवं वानिकी संकाय अधिष्ठाता डॉ. मनीष श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. एस.एस. कुशवाह, डॉ. श्रीधर पाटिल, डॉ. आशुतोष शर्मा, डॉ. डी.वी. सिंह, डॉ.आशीष गुप्ता, सुजीत चतुर्वेदी सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक, प्रसार शिक्षा डॉ. सुशील कुमार सिंह ने सभी आगंतुकों, किसानों एवं वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया तथा किसानों से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर कृषि को लाभकारी बनाएं।

ग्राम पंचायत उजयान में निर्माण कार्यों में हुए गबन की जाँच के आदेश दिये जिलाधिकारी ने

■ त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन -2026 की तैयारियां शुरू

■ बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सर्वे करना सुनिश्चित करें

झांसी जयूसं। तहसील टहरौली के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने उपस्थित समस्त विभागीय अधिकारियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि आज प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापरक करते हुए स्वयं सत्यापित करें। उन्होंने कहा कि यदि फीडबैक के दौरान शिकायतकर्ता द्वारा किए गए निस्तारण से असंतुष्ट होने की सूचना प्राप्त होती है तो संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। आइजीआरएस पोर्टल की शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण के आधार पर निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करें, उन्होंने गलत आख्या लगाकर निस्तारित की गई शिकायत पर कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान के अवसर पर जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस/जनसुनवाई माननीय मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल बिंदु है, जिसके तहत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन/आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समय अंतर्गत निस्तारण किए जाने हेतु समय-समय पर निर्देशित किया जाता रहा है, इसके साथ ही निस्तारित शिकायतों का फीडबैक भी लगातार लिया जाता है निस्तारण गुणवत्ता परक न होने पर जिले की रैंकिंग पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह शिथिलता स्वीकार योग्य नहीं है, अतः समस्त अधिकारी प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समय से निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन-2026 की तैयारियां जनपद में शुरू हो गई है और वोटर लिस्ट में संशोधन किए जाने का कार्य बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा की निष्पक्ष,पारदर्शी निर्वाचन के लिए मतदाता सूची का स्वच्छ होना अनिवार्य है। उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज अवश्य कराएं। उन्होंने ताकीद करते हुए कहा कि यदि बीएलओ द्वारा घर में बैठकर मतदाता सूची संशोधन किया जाता है तो सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर अधिक संख्या में आए भूमि पैमाइश सम्बन्धित/अवैध कब्जों की शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त करते हुये कहा कि सभी राजस्व कर्मी एवं लेखपाल अपने क्षेत्र में जाये तथा सेक्टर आदि की स्वयं नाप करें ताकि भूमि विवाद उत्पन्न ही ना हो।उन्होंने समस्त लेखपालों को निर्देश दिए कि गलत ढंग से भूमि पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आप अपने मूल कार्यों को संवेदनशील होकर करें, उन्होंने यह भी कहा कि भूमि विवाद ना निपटने की स्थिति में धारा 145 पर भी कार्यवाही की जा सकती है, उन्होंने धारा 24 सरकारी भूमि पर कब्जा होने पर धारा 151 की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने भूमि संबंधित शिकायतों के निस्तारण को और प्रभावी ढंग से करने के लिए धारा 447 में भी कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ता के बार-बार आने पर उन्होंने असंतोष व्यक्त करते हुए निस्तारण को अनावश्यक लंबित रखने पर नाराजगी व्यक्त की। सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र देते हुए शिकायतकर्ता रणविजय सिंह स/ह राजपाल सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट उजगान ब्लॉक चिरगाँव जिला झाँसी ? ने बताया कि लगातार कई बार अपनी ही पंचायत उजयान में हुये गबन के साक्ष्य सहित शिकायत कई अधिकारियों के समक्ष कई बार कर चुका है परन्तु किसी भी अधिकारी ने इसकी जांच नहीं होने दी और यदि जांच हुई भी तो अधिकारियों ने उसे अपने मनमाने तरीके से गुमराह दिया।शिकायतकर्ता द्वारा पूर्व में जो शिकायते की उनका विवरण देते कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस टहरोली, (जांच हुई फर्जी रिपोर्ट लगा दी गयी और निस्तारित कर दिया गया, उप निदेशक पंचायत (शपथ पत्र ना लगा होने का हवाला देकर निस्तारित कर दिया गया), खण्ड विकास अधिकारी चिरगाँव (पूर्व फर्जी जांच को लगा कर निस्तारित कर दिया गया), जिलाधिकारी झाँसी (शपथ पत्र ना लगा होने का हवाला देकर निस्तारित कर दिया गया), मुख्यमंत्री कार्यालय लखनऊ उपर्युक्त सारी कार्यवाही का बिन्दु विकास खण्ड चिरगाँव रहा है, इसलिए जांच ईमानदारी से होना सम्भव नहीं है इसलिए इन भ्रष्टाचारियों की पोल खोलने के लिए जरूरी है कि सक्षम अधिकारी किसी अन्य विभाग के अधिकारियों द्वारा एक जांच कमेटी बनाये और इसकी सख्ती से जांच हो तथा पारदर्शिता के लिए जांच की विडियोग्राफी हो जिसमे शिकायतकर्ता मौजूद हो और सहमत हो अतः आपसे आग्रह है कि शिकायतकर्ता कि शिकायत सुनने का कष्ट करे व कार्यवाही पर ज़ोर दे और फर्जी रिपोर्ट तैयार करने वाले अधिकारियों पर नियमानुसार कार्यवाही करने का कदम उठाए आपकी महान कृपा होगी।

जिलाधिकारी ने शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए सम्बंधित प्रकरण में प्रार्थी द्वारा अनेक प्रार्थना पत्र देने के उपरांत भी कोई समुचित कार्रवाही न करने के कारण सम्बंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी को उक्त शिकायत की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द आख्या प्रस्तुत करें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर स्थानीय ग्रामवासियों ने प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि टहरौली को तहसील मुख्यालय बने 30 वर्ष हो गये है लेकिन नगर पंचायत न होने के कारण नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। टहरौली कस्बा वर्तमान में दो ग्राम पंचायतों टहरौली किला एवं टहरौली खास में विभक्त है तथा कस्बे की वर्तमान जनसंख्या बीस हजार से अधिक हो चुकी है। टहरौली में आस-पास के गाँवों के लगभग 200 परिवार मकान बनाकर निवास कर रहे हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश लोग अपने गांव में ही मतदाता बने हुए हैं। टहरौली नगर पंचायत होने के लगभग सभी मानक वर्तमान में पूर्ण कर रहा है अतः जनहित को ध्यान में रखते हुए टहरौली को नगर पंचायत का दर्जा दिलाने की कृपा करें।

इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री बीबीजीटीएस मूर्ति, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुधाकर पांडेय, एसडीएम टहरौली श्री गौरव आर्या सहित समस्त विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी